दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

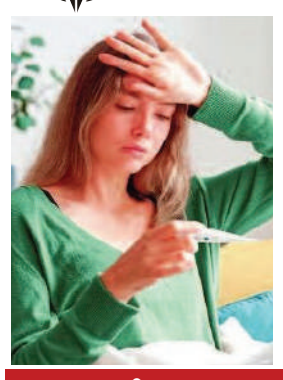

अमन लेखनी

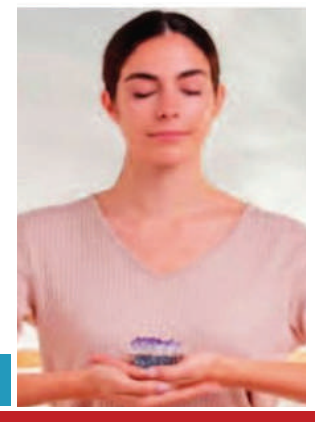

नमी भरे मौसम में संक्रामक बीमारियों को लेकर रहें सचेत

खूशबू से भरपूर अरोमा योग अपनाने के कई....

वर्ष : 12 | अंक : 257 | लखनऊ, 12 सितम्बर, शनिवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

शाह ने डॉ. भागवत को शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को आरएसएस के प्रमुख मोहन

भागवत को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। शाह ने कहा कि संघ प्रचारक से लेकर सरसंघचालक तक का उनका सफर राष्ट्र सेवा, सामाजिक सद्भाव और भारतीय संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के प्रति समर्पण का एक बेमिसाल उदाहरण है।

फरार पीजी संचालक त्यागी ने किया आत्मसमर्पण

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में इमारत ढहने के मामले में फरार आरोपी

और पीजी संचालक शुभम त्यागी ने शुक्रवार को पटियाला हाउस अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने बताया कि पुलिस ने इमारत ढहने की परिस्थितियों के बारे में पूछताछ और जांच के लिए त्यागी को 2 दिन के लिए हिरासत में देने की मांग की है।

अलायंस एयर का विमान आपात स्थिति में उतरा

नई दिल्ली। अलायंस एयर का विमान इंजन में खराबी आने के बाद शुक्रवार अपराह्न आपात

स्थिति में दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरा। विमान में करीब 40 लोग सवार थे। विमान सुरक्षित रूप से उतरा। एयरलाइन कंपनी प्रयागराज से राष्ट्रीय राजधानी के लिए एटीआर 72-600 विमान से उड़ान संख्या 9आई 698 का संचालन कर रही थी। यह दो इंजन वाला विमान है।

कैफे के बाहर 15 राउंड फायरिंग, 2 घायल

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा कम्युनिटी सेंटर के पास एक कैफे के बाहर स्कूटर

सवार 2नकाबपोश लोगों ने कथित तौर पर गोलीबारी कर दी। इसमें दो लोग घायल हुए। हमलावरों ने करीब 15 गोलियां चलाईं और दोनों को गोली लगी। घायल मोहम्मद इरशाद ने बताया वह और दूसरा पीड़ित रात करीब डेढ़ बजे कैफे से बाहर निकले थे, तभी स्कूटर आए।

नांदेड़ में 9 लोगों की मौत प्रधानमंत्री ने शोक जताया

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ में गुरुवार को भीषण सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3लोग

गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। हादसा नांदेड़-भोकर हाईवे पर वाकद गांव के पास सीताखंडी इलाके में हुआ। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। हादसे पर प्रधानमंत्री ने शोक जताया है।

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 में सीतारमण ने कांग्रेस पर कसा तंज

'नाराज फूफा' देश की क्षमताओं पर संदेह का कोई मौका नहीं छोड़ रहे

कुछ लोग जनसांख्यिकीय लाभांश को हमेशा निराशा भरी नजरों से देख रहे

देश डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण में अव्वल

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत की तेज वृद्धि और युवा शक्ति पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत वास्तविक समय में अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का अनुभव कर रहा है। देश डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण में विश्व में अग्रणी है। यूपीआई के जरिए अरबों के लेनदेन हो रहे हैं। भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। वित्त मंत्री ने विरोधी दलों पर भी करारा तंज कसा।

उन्होंने संशयवादियों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग जनसांख्यिकीय लाभांश को सदा निराशा भरी नजरों से देखते हैं। प्रधानमंत्री के शब्द 'नाराज फूफाजी' का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे लोग भारत की आगे बढ़ने की गति और युवाओं की क्षमताओं पर संदेह करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। वे टेलीविजन स्टूडियो में बहस करते हुए समय बिताते हैं। उनका सवाल होता है कि क्या जनसांख्यिकीय लाभांश हाथ से निकल गया है या बोझ बन गया है।

भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत

निर्मला सीतारमण

सीतारमण ने इस सोच को खारिज किया। उन्होंने कहा कि यह जनसांख्यिकीय लाभांश भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाने की दिशा तय कर रहा है। हमें इस प्रगति का उत्सव मनाना चाहिए। नकारात्मक सोच वाले लोगों की तरह नहीं होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है। यह देश के भविष्य के लिए एक मजबूत आधार है।

एक संघीय उद्योग मंच बनाने पर जोर दिया

सीतारमण ने एक संघीय उद्योग मंच बनाने पर जोर दिया। यह मंच व्यापक भारतीय प्रौद्योगिकी परिवेश को एक साथ लाएगा। उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक को थोक और खुदरा केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा पायलट को आगे बढ़ाने का सुझाव दिया। यह कदम डिजिटल वित्तीय प्रणाली को मजबूत करेगा। यह नवाचार को बढ़ावा देने में सहायक होगा।

भाजपा प्रवक्ता पात्रा बोले

भारत की प्रगति नहीं पचा पा रहा विपक्ष, नकारात्मक माहौल बना रहा

भाजपा ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर 'नकारात्मक माहौल' बनाने का आरोप लगाया और कहा कि देश जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, विपक्षी दल भारत की इस प्रगति को पचा नहीं पा रहे हैं। भाजपा ने कहा कि जहां 2011-12 में कांग्रेस नीत संप्रग सरकार के दौरान ब्रिक्स के भीतर भारत अपनी स्थिति खोता हुआ दिख रहा था, वहीं आज सभी ब्रिक्स देशों के राष्ट्राध्यक्ष भारत में मौजूद हैं।

ब्रिक्स पर कांग्रेस के नेता आपस में ही भिड़े, एक ने इसे विकासशील देशों के लिए अहम मंच बताया

चिदंबरम ने कहा- इससे क्या मिला? थरूर ने गिना दिए भारत को मिलने वाले फायदे

भूमिका व कूटनीतिक ताकत बताई, सम्मेलन की मेजबानी देश के लिए गर्व की बात

ब्रिक्स को लेकर कांग्रेस के भीतर ही अलग-अलग राय है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने सवाल उठाया था कि 2-3 ब्रिक्स सम्मेलनों से भारत को आखिर कितने ठोस फायदे मिले हैं? अब उनकी ही पार्टी के सांसद शशि थरूर ने इस के महत्व और भारत को इससे होने वाले कुछ फायदों को गिनाया है। थरूर ने कहा कि ब्रिक्स स्लोबल साउथ यानी विकासशील देशों के

शशि थरूर और पी. चिदंबरम

लिए अहम मंच है। उन्होंने कहा कि 100 से ज्यादा देश हैं, लेकिन इसमें 11 प्रमुख देश विचारों को सामने रखते हैं।

भारत को जारी करनी पड़ी थी चेयर की घोषणा

थरूर ने कहा कि विदेश मंत्रियों की पिछली बैठक में ब्रिक्स देशों के बीच साझा घोषणा पर सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद भारत ने ब्रिक्स अध्यक्ष के तौर पर अपनी ओर से चेयर की घोषणा जारी की थी। अगर फिर साझा बयान पर सहमति नहीं बनती है तो कुछ लोग इसे झटका मान सकते हैं। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देशों के मतभेदों को संभालना और उनके बीच सहमति बनाना भारतीय राजनयिकों के सामने बड़ी चुनौती होगी।

गणेश पूजा में शराब की बिक्री

रोक लगाने से भड़का हाईकोर्ट 10 दिन में तो बीमार हो जाएंगे

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

महाराष्ट्र में गणेश उत्सव की धूम रहती है। 10 दिन तक चलने वाले इस पूजा के दौरान पुणे के जिला प्रशासन ने शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया। जब यह मामला बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचा तो जज ने जिला प्रशासन के इस फैसले की कड़ी आलोचना की। कोर्ट ने सख्त लहजे में पूछा कि सिर्फ एक जिले को ही क्यों चुना गया, जबकि मुंबई सहित महाराष्ट्र के किसी भी जिले में ऐसी कोई पाबंदी नहीं है। कोर्ट ने कहा कि प्रशासन को यह आदेश वापस ले लेना चाहिए वरना कोर्ट को दखल देना पड़ेगा। जिला प्रशासन के इस फैसले के खिलाफ होटल मालिकों और शराब की दुकान के मालिकों के संगठनों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। चीफ जस्टिस एमसी त्रिपाठी और जस्टिस अद्वैत सेठना की बेंच ने कहा कि जिन्हें शराब बेचने का लाइसेंस प्राप्त है उन्हें 10 दिन तक अपना कारोबार करने से रोकने के लिए कहना पूरी तरह से मनमाना है। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसी पाबंदी से शराब की लत वाले लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। चीफ जस्टिस त्रिपाठी ने मजाकिया लहजे में कहा,अगर उन्हें 10 दिनों तक शराब नहीं मिली तो वे अस्पतालों में भर जाएंगे।

सिर्फ एक जिले में क्यों बैन?

पुणे कलेक्टर के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें 14 सितंबर से शुरू होने वाले गणेश उत्सव के दौरान बिक्री पर रोक लगाई गई थी। बेंच ने कहा कि सिर्फ पुणे को चुनने के पीछे क्या तर्क है? हम ऐसी प्रथा की निंदा करते हैं। आप पूरे राज्य में से सिर्फ एक जिला चुन रहे हैं।

खालिद के समर्थन में नारे लगाना राष्ट्र विरोधी नहीं

मुंबई की एक कोर्ट टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के छात्र अभिरूप आशीष पॉल को जमानत दे दी है। पॉल को जेल में बंद दिल्ली दंगों के

आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम के समर्थन में नारे लगाने के आरोप में गिरफ्तार किया था।अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दत्तात्रेय शंकरराव खेडेकर ने टिप्पणी की कि पॉल से पहले ही पर्याप्त समय तक हिरासत में पूछताछ की जा चुकी है। उन्हें किसी माओवादी या अन्य प्रतिबंधित संगठन से जोड़ने वाला कोई सबूत नहीं है। नप्रथम दृष्टया संदेह के अलावा आरोपी की गतिविधियों को माओवादी मानसिकता से जोड़ने या राष्ट्र के विरुद्ध या भारत के खिलाफ प्रतिबंधित संगठन से संबद्ध होने का कोई सबूत नहीं है।

महोबा में फसल सर्वे के नाम पर वसूली

सर्वेयरों को पहना दी चूड़ी पेटीकोट और जूतों की माला

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

फसल सर्वे के नाम पर किसानों से रुपए वसूले जाने के आरोप से भड़के ग्रामीणों ने 2सर्वेयरों को पकड़कर अनोखा विरोध किया। कोतवाली चरखारी क्षेत्र के नटर्रा गांव में ग्रामीणों ने दोनों सर्वेयरों को महिलाओं के कपड़े और चूड़ियां पहनाई। इसके बाद गले में जूतों की माला डालकर पूरे गांव में घुमाया। इसके बाद दोनों को पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। कृषि विभाग और पुलिस मामले की जांच कर रही है। जिले में लगातार हुई बारिश से उड़द, मूंग, तिल और मूंगफली की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। किसानों का दावा है कि कई जगह फसलें 90 फीसदी तक खराब हो गई हैं और खेतों में अब भी पानी भरा है। किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा कराया था और नुकसान की सूचना बीमा कंपनी के टोल-फ्री नंबर पर दी थी।

गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम

भारत में एचपीवी वैक्सीन की 80 लाख खुराकें दी जा चुकी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भारत ने गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम के प्रयासों में अहम उपलब्धि हासिल की है। फरवरी 2026 में शुरू हुए राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान के अंतर्गत ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) वैक्सीन की 80 लाख से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं। यह उपलब्धि सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के जरिए एचपीवी टीकाकरण की बढ़ती पहुंच को दर्शाती है और किशोरियों के लिए निवारक स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है। टीकाकरण अभियान का शुभारंभ प्रधानमंत्री की ओर से फरवरी 2026 में किया गया था। 14 वर्ष की लड़कियों को माता-पिता की सहमति से सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वैच्छिक और निःशुल्क एकल खुराक एचपीवी टीकाकरण प्रदान किया जाता है।

बैंक फ्रॉड केस में ईडी की बड़ी कार्रवाई

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गया से गुरुग्राम और दिल्ली तक 9 ठिकानों पर छापेमारी

131.79 करोड़ रुपए का घालमेल

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

बैंक लोन धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने गया के एक होटल ग्रुप के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ईडी की टीम ने गया में 9 ठिकानों पर छापेमारी की। कार्रवाई रामनंदी होटल्स एंड रिसॉर्ट्स लिमिटेड, इसके निदेशक अखौरी गोपाल और उनके बेटों निशांत और नितेश से जुड़े मामले में की। यह मामला सीबीआई की एफआईआर और चार्जशीट के आधार पर दर्ज किया गया है। कथित अपराध से जुड़ी राशि करीब 131.79 करोड़ बताई गई है। ईडी का आरोप है सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले बैंकों के समूह ने करीब 85 करोड़ का लोन दिया था। इसमें से लगभग 58 करोड़ गलत तरीके से दूसरी जगह इस्तेमाल किया। कुछ संपत्तियां गिरवी रखी।

डीआरएम ऑफिस से 50 हजार की रिश्वत में अरेस्ट

प्रयागराज। प्रयागराज मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय (डीआरएम) में

सीबीआई ने सहायक कार्मिक अधिकारी और कार्यालय अधीक्षक को कथित तौर पर 50 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। लोको पायलट के स्थानांतरण के मामले में दोनों आरोपी हैं।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री गडकरी का बड़ा ऐलान

देश में मार्च 2027 तक लागू होगा बैरियर फ्री रूल

टोल प्लाजा का नया नियम तैयार, सरकार 'वन टैग' सुविधा भी शुरू करेगी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

राष्ट्रीय राजमार्गों पर सफर करने वाले वाहन चालकों के लिए राहत की खबर है। भारत अब पूरी तरह से डिजिटल और बैरियर-फ्री टोलिंग प्रणाली की ओर तेजी से बढ़ रहा है। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने घोषणा की कि नई एआई आधारित प्रणाली मार्च 2027 तक लागू होने की उम्मीद है, जिसके बाद गाड़ियों को टोल प्लाजा पर रुकना नहीं पड़ेगा। इससे सालाना टोल राजस्व में करीब 10,000 करोड़ की बढ़ोतरी का अनुमान है। इसके साथ ही सरकार 'वन टैग' सुविधा भी शुरू करने जा रही है, जिससे बिना नया फास्टैग खरीदे अपना बैंक अकाउंट आसानी से बदल सकेंगे।

टोल चौकियों पर नहीं रुकना पड़ेगा

गडकरी ने घोषणा की कि इसके चालू होने के बाद वाहन चालकों को टोल चौकियों पर बिना रुके गुजरने की सुविधा मिलेगी। एआई और निर्बाध टोल प्रणाली के जरिए टोल पर रुकने की व्यवस्था हटेगी।

इस तरह काम करेगी यह

यह नई व्यवस्था टोल वसूली के लिए स्वचालित वाहन नंबर प्लेट पहचान और फास्टैग को आपस में एकीकृत (इंटीग्रेट) करेगी। इससे टोल प्लाजा पर वाहनों का वेटिंग टाइम पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। यदि फास्टैग का बैंक बदलना चाहते हैं, तो नया टैग लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

80 से 90 प्रतिशत तक वेटिंग समय घटा

फास्टैग की सफलता का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इसे 2014 में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया था और 2021 में अनिवार्य कर दिया गया। आज देश के 98 फीसदी से अधिक वाहनों में फास्टैग का उपयोग हो रहा है और 13 करोड़ से अधिक टैग जारी किए जा चुके हैं। फास्टैग ने पहले के 12 से 30 मिनट के प्रतीक्षा समय को 80 से 90 प्रतिशत तक घटा दिया है। राष्ट्रीय राजमार्ग टोल प्लाजा पर फास्टैग का उपयोग अब 98 प्रतिशत से अधिक हो गया है। अब तक देश में 13 करोड़ से अधिक फास्टैग जारी किए जा चुके हैं। सरकार को उम्मीद है कि इस नई बाधा-मुक्त डिजिटल टोलिंग प्रणाली से जहां वाहन चालकों के समय की बचत होगी,पारदर्शिता भी आएगी।

नीति आयोग के सीईओ बोले

2047 तक विकसित देश बनने के लिए समावेशी वृद्धि जरूरी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

अनुराग जैन

नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनुराग जैन ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने आर्थिक वृद्धि के क्षेत्र में अच्छी प्रगति की है और 2047 तक विकसित देश बनने के लिए उसे समावेशी वृद्धि की जरूरत है। जैन ने वैश्विक फिनटेक सम्मेलन में कहा कि कुछ राज्यों ने स्वास्थ्य और शिक्षा के मानकों पर भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन कुछ राज्य पीछे रह गए हैं, इसलिए हमें उन पर भी ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आर्थिक समावेश के जरिए समृद्धि हासिल करने के लिए भारत के पास मजबूत आधार है। इसके तहत सभी लोगों को उचित शिक्षा और लाभकारी रोजगार या उद्यमिता के लिए कौशल तक पहुंच सुनिश्चित करनी होगी। हम विकसित राष्ट्र बनने के लिए समावेशी वृद्धि चाहते हैं। आय के स्तर पर जब प्रति व्यक्ति आय को मापते हैं, तो केवल यह पर्याप्त नहीं है।

पूर्व शिक्षक बाबूलाल वर्मा को श्रद्धांजलि

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। नगराम क्षेत्र के बहरौली स्थित जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज में शुक्रवार को विद्यालय के संस्थापक शिक्षकों में शामिल रहे सेवानिवृत्त शिक्षक स्व.बाबूलाल वर्मा के निधन पर शोक सभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई उनके निधन से विद्यालय परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। प्रधानाचार्य अनिल कुमार वर्मा ने कहा कि स्व. बाबूलाल वर्मा मृदुभाषी सरल स्वभाव और कर्तव्यनिष्ठ शिक्षक थे उन्होंने अपने सेवाकाल में विज्ञान कृषि एवं गणित जैसे विषयों का प्रभावी ढंग से अध्यापन किया आवश्यकता पड़ने पर उन्होंने प्रधानाचार्य का दायित्व भी निभाया और विद्यालय के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की विद्यालय परिवार के अनुसार स्व. वर्मा संस्थान के शुरूआती शिक्षकों में शामिल रहे उन्होंने करीब 34 वर्षों तक पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ शिक्षण कार्य किया और वर्ष 2003 में सेवानिवृत्त हुए उनके मार्गदर्शन में शिक्षा प्राप्त करने वाले अनेक छात्र आज विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे। वाहिबशोक सभा में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने दिवंगत शिक्षक के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए दो मिनट का मौन रखा तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

शिक्षा जगत में विकसित भारत की संकल्पना को मिलेगा विस्तार

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रस्तावित सेवा संकल्प अभियान को व्यापक जनभागीदारी का अभियान बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में लखनऊ स्थित आवास पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी, बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा और महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी सहित अन्य अधिकारीगण के साथ अभियान की तैयारियों एवं आयोजन के संबंध में बैठक कर विस्तृत चर्चा की।

फोटो कॉपी कराने पहुंचे एलआईसी एजेंट पर फायरिंग, सिर छूकर निकली गोली

अमन लेखनी समाचार

घायल अवस्था में एलआईसी एजेंट – फोटो

लखनऊ। रंजिश के चलते एक एलआईसी एजेंट पर जानलेवा हमला किए जाने से सनसनी फैल गई। ढेंढेमऊ गांव के पास बैंक ऑफ इंडिया के नजदीक स्थित मोबाइल/जनसेवा केंद्र पर एक दस्तावेज की फोटो कॉपी कराने पहुंचे ऐजेंट पर दो हमलावरों ने गोली चला दी। गोली सिर को छूकर निकल गई, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात के बाद दोनों हमलावर स्प्लेंडर बाइक से मोहान रोड होते हुए मलिहाबाद की ओर भाग निकले। मलिहाबाद के सैफलपुर निवासी समरेंद्र यादव (36) शुक्रवार शाम करीब सात बजे ढेंढेमऊ गांव के पास स्थित मोबाइल/जनसेवा केंद्र पर एक जरूरी दस्तावेज की फोटो कॉपी कराने पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि इसी दौरान दो युवक पैदल वहां पहुंचे और सामने से समरेंद्र पर फायरिंग कर दी। गोली सिर को छूते हुए निकल गई। हमले में वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। गोली चलने की आवाज सुनते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और मलिहाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल को तत्काल मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया।

सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

हमले के बाद पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। किराना स्टोर और उसके आगे लगे कैमरों की फुटेज में दो हमलावर नजर आ रहे हैं। पुलिस को मिले दो अलग-अलग फुटेज में सफेद कपड़े पहने दो युवक दिखाई दे रहे हैं। फायरिंग के बाद दोनों एक स्प्लेंडर बाइक से मलिहाबाद की ओर जाते नजर आए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान करने में जुटी है। साथ ही उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश देने की तैयारी की जा रही है। घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है।

परिजनों की तहरीर का इंतजार

मलिहाबाद एसीपी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिए अज्ञात हमलावरों की तलाश की जा रही है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस घटना के पीछे पुरानी रंजिश समेत अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

स्वर्गीय शिव विरंच दूबे के त्रयोदशी कार्यक्रम में नम आंखों से लोगों ने दी श्रद्धांजलि

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ के रायबरेली रोड की सरस्वती पुरम कालोनी में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सक्रिय कार्यकर्ता स्वर्गीय शिव विरंच दूबे की त्रयोदशी कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को किया गया।कार्यक्रम में भाजपा नेताओं समेत समाजसेवियों एवं अन्य गणमान्यों ने उनकी प्रतिमा पर श्रद्धान्जलि अर्पित की।

स्व० शिव विरंच दूबे पिछले कई दशकों से निरंतर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ जुड़े रहे और साथ ही उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्य के तौर पर पार्टी को अपनी निःस्वार्थ सेवाएं दीं,उन्होंने जीवनपर्यंत समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया।बता दें कि बीते अट्ठाइस अगस्त की रात अचानक तबियत बिगड़ने पर उन्हें एसजी पीजीआई में भर्ती करवाया गया था लेकिन उन्हें नहीं बचाया जा सका।अचानक पड़े हृदयाघात की वजह से तीस अगस्त की सुबह छः बजे उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया।इस घटना ने उनके समर्थकों को झकझोर कर रख दिया।उनके त्रयोदशी कार्यक्रम में उत्तरप्रदेश की पूर्व मंत्री स्वाती सिंह, लखनऊ महापौर सुषमा खर्कवाल, शहरी क्षेत्र वार्डों के पार्षदों में कौशलेंद्र द्विवेदी,संजीव अवस्थी, विमल तिवारी,मनोज रावत भाजपा नेता संजय तिवारी उर्फ बब्लू,भाजपा मंडल अध्यक्ष राजन मिश्रा।कैंटोनमेंट बोर्ड के नामित सदस्य प्रमोद शर्मा।कांग्रेसी नेता सुनील दूबे, समाजवादी पार्टी के अमरपाल एवं नवनीत सिंह ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

मृत घोषित शिक्षक के नाम बैनामे से हड़कंप

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। वर्ष 2002 में सरकारी अभिलेखों में मृत दर्शाए गए एक शिक्षक के नाम वर्ष 2013 में जमीन का बैनामा होने का मामला सामने आया शिकायतकर्ता ने इसे फजीर्वाड़ा बताते हुए मृतक आश्रित नियुक्ति पेंशन और बैनामे की निष्पक्ष जांच की मांग की पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता ललितेश सिंह के अनुसार, उन्नाव के हिलौली क्षेत्र में तैनात शिक्षक श्रीराम यादव को वर्ष 2002 में मृत दशार्या गया था आरोप है कि इसके बाद उनके पुत्र को मृतक आश्रित कोटे से सरकारी नौकरी दिलाई गई और पत्नी को पेंशन का लाभ मिलने लगा। शिकायतकर्ता का दावा है कि वर्ष 2013 में उसी शिक्षक के नाम जमीन का बैनामा कराया गया उनका कहना है कि यदि संबंधित व्यक्ति वर्ष 2002 में सरकारी रिकॉर्ड में मृत था, तो 11 साल बाद उसके नाम बैनामा कैसे हुआ उन्होंने बैनामे पर दर्ज हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान का मूल सेवा पुस्तिका से मिलान कराने की मांग की। शिकायतकर्ता का यह भी कहना है कि मृतक आश्रित नियुक्ति से जुड़े दस्तावेज 30 जनवरी 2004 का नियुक्ति आदेश तथा आरटीआई के माध्यम से प्राप्त अभिलेख उनके पास उपलब्ध उनका आरोप है कि इन दस्तावेजों की जांच से पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सकती। शिकायतकर्ता के अनुसार मामले की शिकायत उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के संज्ञान में पहुंचने के बाद पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर जांच शुरू हुई। पुलिस कमिश्नर के आदेश पर मोहनलालगंज कोतवाली पुलिस प्रकरण की जांच कर रही वही एसीपी मोहनलालगंज राजेश सिंह ने बताया कि शिकायत में लगाए गए आरोपों और उपलब्ध दस्तावेजों की जांच की जा रही जांच पूरी होने के बाद उच्चाधिकारियों के निदेर्शानुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

22 दिन की नवजात को सांप ने डसा, इलाज के दौरान मौत

सीएचसी से सिविल और फिर झलकारीबाई रेफर, एंबुलेंस न मिलने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। उदयपुर गांव में गुरुवार देर रात जहरीले सांप के डसने से 22 दिन की नवजात की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि सीएचसी मोहनलालगंज में प्राथमिक उपचार के बजाय बच्ची को सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया वहां से भी उसे झलकारीबाई अस्पताल भेज दिया गया परिजनों का आरोप है कि एंबुलेंस न मिलने से उन्हें बच्ची को पैदल लेकर अस्पताल पहुंचना पड़ा जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उदयपुर निवासी दिलीप कुमार की 22 दिन की बेटी गुरुवार रात अपनी मां पूजा और दो बहनों के साथ सो रही थी। रात करीब दो बजे बच्ची के रोने पर मां की आंख खुली तो देखा कि एक सांप उसकी बाईं हाथ की उंगली मुंह में दबाए हुए था शोर मचाने पर परिजनों ने किसी तरह सांप को हटाया और बच्ची को बाइक से सीएचसी मोहनलालगंज ले गए परिजनों के मुताबिक सीएचसी से बच्ची को सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया सिविल अस्पताल में भी उपचार के बाद झलकारीबाई अस्पताल भेज दिया गया। आरोप कि इस दौरान एंबुलेंस उपलब्ध नहीं कराई गई। बच्ची की हालत गंभीर होने पर परिजन उसे लेकर पैदल ही झलकारीबाई अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया वही घटना के समय बच्ची के पिता दिलीप कुमार बाबा धाम की कांवड़ यात्रा पर गए हुए थे नवजात की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने सर्पदंश के मामलों में ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों पर एंटी-स्नेक वेनम प्रशिक्षित चिकित्सकों और आपातकालीन सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की वही अस्पतालों में उपचार और रेफर किए जाने की प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठ रहे मामले में जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

ट्रक में पीछे से घुसी अर्टिगा, छह श्रद्धालु घायल–तीन महिलाओं की हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

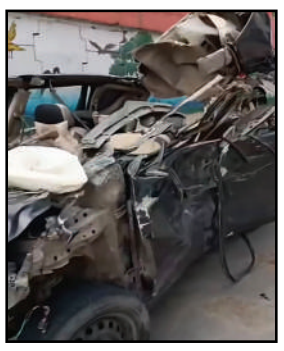

लखनऊ पीजीआई क्षेत्र में शहीद पथ पर शुक्रवार भोर तेज रफ्तार अर्टिगा आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी। भीषण टक्कर में अर्टिगा सवार तीन महिलाओं समेत छह श्रद्धालु घायल हो गए। हादसे में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घायलों को तत्काल पीजीआई ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। विस्तार : पुलिस के मुताबिक गोरखपुर के बड़हलगंज निवासी छह श्रद्धालु अर्टिगा कार से खाटू श्याम दर्शन के लिए जा रहे थे। शुक्रवार सुबह करीब 3:30 बजे कार वृंदावन कॉलोनी सेक्टर-7 के पास शहीद पथ पर पहुंची। इसी दौरान अर्टिगा आगे चल रहे ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग घायल होकर फंस गए। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। राहगीरों और पुलिस की मदद से कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला गया और सभी को पीजीआई ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया। कार में प्रदीप सिंह, बृजेश सिंह, कंचन, संजना, शोभा और सूर्यभान यादव सवार थे। पुलिस के अनुसार चालक प्रदीप सिंह को मामूली चोटें आईं, जबकि अन्य पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस फरार ट्रक चालक और वाहन की तलाश के साथ ही हादसे की जांच में जुटी है।

1,600 करोड़ से यूपी में मजबूत होगा मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर

44 परियोजनाओं का होगा शिलान्यास, 21 तैयार परियोजनाएं होंगी जनता को समर्पित, लखनऊ में 855 करोड़ से बनेगा 1,010 बेड का अस्पताल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मेडिकल शिक्षा के विस्तार के बाद अब योगी सरकार चिकित्सा संस्थानों के इंफ्रास्ट्रक्चर और मरीजों की सुविधाओं को नई रफ्तार देने जा रही है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के तहत प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों और चिकित्सा संस्थानों में 1,606.83 करोड़ रुपये की 65 परियोजनाएं शिलान्यास और लोकार्पण के लिए तैयार हैं। इनमें 1,400.70 करोड़ रुपये की 44 परियोजनाएं शिलान्यास और 206.13 करोड़ रुपये की 21 परियोजनाएं लोकार्पण के लिए तैयार हैं।

इन परियोजनाओं का दायरा सिर्फ नए भवनों के निर्माण तक सीमित नहीं है। मेडिकल कॉलेजों में बढ़ी सीटों के अनुरूप हॉस्टल, लेक्चर थिएटर और परीक्षा भवन से लेकर नर्सिंग कॉलेज, ट्रॉमा सेंटर, एमसीएच सेंटर, संक्रामक रोग अस्पताल, ट्रांसप्लांट यूनिट, सीवरेज, जलापूर्ति और फायर सेफ्टी जैसी सुविधाओं का भी विस्तार किया जाएगा। यानी मेडिकल शिक्षा के साथ अस्पतालों और कैंपस के पूरे सपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की तैयारी है। प्रस्तावित परियोजनाओं में सबसे बड़ी परियोजना लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान की है। गोमतीनगर विस्तार स्थित नए परिसर में बेसमेंट के ऊपर 1,010 बेड के अस्पताल भवन का निर्माण करीब 855.04 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित है। इससे राजधानी में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की क्षमता में बड़ा इजाफा होगा। गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में करीब 43.68 करोड़ रुपये से बहुमंजिला रोगी सहायक आधुनिक कैंटीन बनाई जाएगी। कानपुर मेडिकल कॉलेज एवं संबद्ध चिकित्सालयों में नए जनरेटर के साथ करीब 49.40 करोड़ रुपये की लागत से संक्रामक रोग अस्पताल के निर्माण की तैयारी है। मेरठ मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा सुविधाओं के साथ कैंपस इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत किया जाएगा। मौजूदा लेवल-2 ट्रॉमा सेंटर को 100 बेड के लेवल-1 ट्रॉमा सेंटर** में विकसित करने पर करीब 48.15 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

बाल रोग विभाग में एमसीएच सेंटर के निर्माण पर करीब 34.82 करोड़ रुपये खर्च प्रस्तावित हैं। इसके अलावा सीवरेज, महिला और पुरुष पीजी छात्रावास, जलापूर्ति, 10 एमएलडी एसटीपी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं को भी मजबूत किया जाएगा। मेडिकल सीटों में वृद्धि के अनुरूप छात्र-छात्राओं के लिए आवासीय और शैक्षणिक सुविधाओं का विस्तार भी किया जा रहा है। झांसी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस यूजी सीटों में वृद्धि को देखते हुए लेक्चर थिएटर, वातानुकूलित पुस्तकालय, कॉन्फ्रेंस हॉल, कैफेटेरिया और परीक्षा हॉल से जुड़े बहुमंजिला भवन के निर्माण पर करीब 28.44 करोड़ रुपये खर्च प्रस्तावित हैं। इसी कॉलेज में 272 बेड के यूजी बालिका छात्रावास के निर्माण पर करीब 26.89 करोड़ रुपये खर्च होंगे। एटा में छात्र-छात्राओं के हॉस्टल और अन्य आधारभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी। कुशीनगर में 100-100 बेड के बालिका और बालक छात्रावास के साथ एसटीपी का निर्माण प्रस्तावित है। अयोध्या मेडिकल कॉलेज में इंटर्न, यूजी छात्र और छात्राओं के लिए 100-100 बेड के हॉस्टल सहित अन्य निर्माण कार्य किए जाएंगे। प्रदेश में डॉक्टरों के साथ प्रशिक्षित नर्सिंग मानव संसाधन तैयार करने पर भी जोर दिया जा रहा है। गोंडा मेडिकल कॉलेज में करीब 9.93 करोड़ रुपये से नर्सिंग कॉलेज की स्थापना प्रस्तावित है। लोकार्पण के लिए तैयार परियोजनाओं में बहराइच, अयोध्या और हरदोई के स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों के नर्सिंग कॉलेज शामिल हैं।

सहारनपुर मेडिकल कॉलेज में करीब 20.82 करोड़ रुपये की लागत से 60 सीट के बीएससी नर्सिंग कॉलेज और ग्रेटर नोएडा के राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भी करीब 20.82 करोड़ रुपये से कॉलेज ऑफ नर्सिंग की परियोजना शामिल है। परियोजनाओं में अस्पताल और कक्षाओं के साथ चिकित्सकों और मेडिकल छात्रों के लिए जरूरी सुविधाओं का भी विस्तार किया जा रहा है। जौनपुर मेडिकल कॉलेज में चिकित्सक आवास, छात्रावास, 200 क्षमता के दो व्याख्यान कक्ष, फैकल्टी पार्किंग, फायर फाइटिंग सिस्टम और गेस्ट हाउस जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। मिजार्पुर के मां विंध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में छात्रों के लिए 160 और छात्राओं के लिए 140 क्षमता के हॉस्टल के साथ चार व्याख्यान कक्षों में ध्वनिरोधक कार्य प्रस्तावित है।

रागिनी से मिले सीएम, इलाज से पढ़ाई तक हर मदद का दिया भरोसा

- **ट्राइसिकल के बाद अब ऑपरेशन, आवास और सड़क की भी होगी व्यवस्था**
- **रागिनी का वीडियो सामने आते ही मुख्यमंत्री ने लिया था संज्ञान, तत्काल उपलब्ध कराई गईं दो ट्राइसिकल**

लखनऊ। बलिया की सात वर्षीय दिव्यांग बेटी रागिनी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने रागिनी से आत्मीयता से बातचीत कर उसके स्वास्थ्य, पढ़ाई और परिवार की परिस्थितियों की जानकारी ली। उन्होंने रागिनी के बेहतर इलाज, ऑपरेशन का पूरा खर्च उठाने, पढ़ाई जारी रखने और परिवार को आवास उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। मुलाकात के दौरान रागिनी के माता-पिता और बलिया की भाजपा विधायक केतकी सिंह भी मौजूद रहीं।

मनियर ब्लॉक की दिघेड़ा ग्रामसभा के रानीपुर गांव निवासी रागिनी प्राथमिक विद्यालय में कक्षा एक की छात्रा है। स्कूल आने-जाने में परेशानी को देखते हुए उसने ट्राइसिकल की मांग की थी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर बलिया के जिलाधिकारी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रागिनी को दो ट्राइसिकल उपलब्ध कराईं।

अब मुख्यमंत्री ने उसके इलाज और ऑपरेशन की व्यवस्था के साथ परिवार की आवास संबंधी जरूरत पूरी करने का भी भरोसा दिया है। रागिनी की मां बबिता ने मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद उनका आभार जताया। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी के पैर में दिक्कत है और इसी समस्या को लेकर परिवार मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचा था। मुख्यमंत्री ने रागिनी के इलाज का पूरा खर्च उठाने और ऑपरेशन की व्यवस्था कराने का भरोसा दिया। इसके साथ ही गांव की खराब सड़क को दुरुस्त कराने और ट्राइसिकल उपलब्ध कराने के लिए भी उन्होंने मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। रागिनी के पिता देवेंद्र ने बताया कि कई वर्ष पहले सड़क हादसे में उनकी बेटी के पैर में फ्रैक्चर हो गया था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने इलाज के साथ-साथ आवास और पढ़ाई में भी मदद का भरोसा दिया है। परिवार ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कराने में सहयोग के लिए विधायक केतकी सिंह का भी आभार जताया। विधायक केतकी सिंह ने कहा कि रागिनी का वीडियो सामने आने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं उसका संज्ञान लिया और जिलाधिकारी समेत संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। उनके निर्देश पर रागिनी को ट्राइसिकल उपलब्ध कराई गई। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने रागिनी के इलाज का पूरा खर्च सरकार द्वारा उठाने, ऑपरेशन की व्यवस्था कराने, परिवार को आवास उपलब्ध कराने और घर के पास की खराब सड़क को ठीक कराने का भरोसा दिया है।

रागिनी की पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रहे, इसके लिए भी हरसंभव मदद का आश्वासन दिया गया है। केतकी सिंह ने कहा कि रागिनी की मदद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संवेदनशील और त्वरित कार्यशैली का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तक किसी जरूरतमंद की समस्या पहुंचते ही उस पर तत्काल संज्ञान लिया जाता है और संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए जाते हैं। रागिनी और उसके परिवार ने मुख्यमंत्री की इस पहल के लिए आभार जताया। परिवार को उम्मीद है कि इलाज, आवास और शिक्षा के लिए मिली मदद से रागिनी की राह अब पहले से आसान होगी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रदेशभर में लगेंगे स्वास्थ्य शिविर: ब्रजेश पाठक

अमन लेखनी समाचार

- **17 सितंबर को रक्तदान और आशीर्वाद का दीपक कार्यक्रम, 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक लगेंगे शिविर**
- **बैठक में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने चिकित्साधिकारियों को दिए निर्देश**

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित होने वाले सेवा संकल्प अभियान को लेकर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को आवास पर वर्चुअल बैठक की। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अभियान के तहत आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान का उद्देश्य सेवा, स्वास्थ्य और जनकल्याण की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले चिकित्सा अधिकारियों, कर्मचारियों को सम्मानित भी किया जाएगा।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर को सेवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस दिन प्रदेशभर में रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी दिन शाम 7 बजे बजे प्रदेश की सभी स्वास्थ्य इकाइयों पर आशीर्वाद का दीपक प्रज्वलित किया जाएगा। इसके माध्यम से सेवा, समर्पण और जनकल्याण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। वहीं, 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में व्यापक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे।

इन शिविरों में आमजन को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं, जांच सुविधाओं तथा स्वास्थ्य विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। वर्चुअल बैठक में राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, मंत्री सोमेंद्र तोमर, उपाध्यक्ष, भाजपा, उत्तर प्रदेश कामेश्वर सिंह, प्रमुख सचिव (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) अमित कुमार घोष उपस्थित रहे।

उफनाते बेहता नाले से ग्रामीणों की राह मुश्किल, प्रशासन ने नाव चलाने का लिया निर्णय

अमन लेखनी समाचार

पुलिया के डूबने पर जायजा लेती तहसीलदार

लखनऊ। रहीमाबाद के झाऊबेरिया गांव में बेहता नाले के उफान पर आने से ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। नाले का पानी पुलिया के ऊपर से बहने के कारण गांव का मुख्य रास्ता पूरी तरह प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों को जरूरी सामान लेने के लिए बाहर निकलने के साथ ही बच्चों के स्कूल जाने में भी जान जोखिम में डालनी पड़ रही है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने शनिवार सुबह से नाले पर नाव चलाने की व्यवस्था करने का निर्णय लिया है। शुक्रवार को तहसीलदार कुमकुम मिश्रा और रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और जलस्तर अधिक होने के कारण अनावश्यक रूप से नाले को पार न करने की अपील की। ग्रामीणों ने बताया कि झाऊबेरिया गांव से बाहर आने-जाने के लिए यही एकमात्र रास्ता है। इन दिनों बेहता नाला उफान पर है और पानी पुलिया के ऊपर से तेज बहाव के साथ गुजर रहा है। ऐसे में रोजमर्रा की जरूरत का सामान लेने के लिए बाहर जाना मुश्किल हो गया है। सबसे अधिक चिंता स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर है, जिन्हें इसी रास्ते से होकर स्कूल जाना पड़ता है। मामले में एसडीएम अपराजिता आर्यन ने बताया कि ग्रामीणों की परेशानी और सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने नाव की व्यवस्था कराई है। शनिवार सुबह से नाव का संचालन शुरू किया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिल सके और किसी तरह की अप्रिय घटना से बचा जा सके।

भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी भ्रष्टाचार चरम पर : अखिलेश यादव

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा का आचरण लोकतंत्र विरोधी है। सरकार संविधान के खिलाफ काम कर रही है। सपा को बदनाम करने पर उतारू है। प्रदेश में दस साल से और दिल्ली की सत्ता में 13 साल से काबिज भाजपा सरकार पूरी तरह विफल हो गयी है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है। भाजपा सरकार की उपलब्धियां जीरो हैं। अपनी विफलता को छिपाने के लिए भाजपा झूठे और व्यक्तिगत आरोप लगा रही है। 2027 के विधानसभा चुनाव में हार के डर से अनर्गल आरोप लगा रही है।

अखिलेश यादव शुक्रवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में आए कार्यकर्ताओं एवं नेताओं को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा झूठ का प्रचार और प्रसार करती है। उसे लोकतंत्र और संविधान पर विश्वास नहीं है। लोकतंत्र में भाजपा का यह आचरण घोर निन्दनीय है। सपा का लोकतंत्र और संविधान पर भरोसा है। सपा सबको साथ लेकर चलती है। सपा लोकतांत्रिक मूल्यों को समझती है। सपा कभी भाजपाइयों जैसा आचरण नहीं कर सकती है। सपा के कार्यकर्ता नेता और समर्थक संयम से रहें। अपनी भाषा, व्यवहार को मर्यादित रखे। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव की हार से भाजपा की बौखलाहट बढ़ती जा रही है। भाजपा दुष्प्रचार करेगी। झूठी रील बनाएगी। विरोधियों को बदनाम करेगी। भाजपा किसी की सगी नहीं है। जनता भाजपा को समझ गयी है। भाजपा ने जनता का भरोसा खो दिया है। जनता ने 2027 में भाजपा को सत्ता से हटाने का फैसला कर लिया है। अब उसे सत्ता से बाहर जाना ही होगा। भाजपा सरकार से जो भी पीड़ित, दुःखी, अपमानित लोग हैं, समाजवादी पार्टी उनके साथ हैं।

संक्षेप

बाढ़ का पानी घटा, किसानों की हजारों बीघा फसलें बबार्द

संक्रामक रोगों का खतरा बढ़ा, प्रशासन ने सर्वे और मेडिकल कैंप शुरू किए

रायबरेली , महराजगंज, रायबरेली में नैय्या नाले का पानी घटने से बाढ़ प्रभावित गांवों के लोगों को थोड़ी राहत मिली है। आवागमन के रास्ते भी खुल गए हैं। हालांकि, ग्रामीणों और किसानों की परेशानियां कम नहीं हुई हैं।खेतों से पानी उतरने के बाद बर्बाद हुई फसलें देखकर किसानों की चिंता बढ़ गई है। वहीं, गांवों में फैली गंदगी अब संक्रामक बीमारियों का कारण बन रही है। नैय्या नाले के उफान से अलीपुर, भटसरा, मझिगंवा, सुखलिया, पुरासी, बसकटा, कोटवा मदनिया, लालगंज, जियापुर, कोड़री, सिकंदरपुर, लोदीपुर और पूरे नारे अतरेहटा जैसे दर्जनों गांवों के खेत एक महीने से ज्यादा समय तक पानी में डूबे रहे थे। दो-तीन दिनों से जलस्तर घटने के बाद जब खेतों का हाल सामने आया, तो किसानों की चिंता बढ़ गई। इन दर्जनों गांवों के सैकड़ों किसानों की हजारों बीघा धान, उड़द, ज्वार और सब्जियों की फसलें पूरी तरह सड़ गईं ।और खराब हो गईं। किसान राजकुमार, महेंद्र, गब्बर सिंह, राम बहादुर, रंजीत, धीरेन्द्र, राम बरन और राम सागर का कहना है कि पानी घटने से राहत तो मिली, लेकिन अपनी आंखों के सामने सड़ी फसलें देखकर भविष्य की चिंता सता रही है। उनकी मेहनत और पूंजी दोनों पानी में बह गई हैं, अब सिर्फ सरकारी सहायता और मुआवजे का ही सहारा बचा है। पानी कम होने के साथ ही गांवों में हालात और खराब हो रहे हैं। गंदी नालियां और सड़ते खाद के गड्ढों से उठती बदबू से लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। इसके चलते क्षेत्र में वायरल बुखार और त्वचा संबंधी रोगों के मामले बढ़ रहे हैं, जिससे कई ग्रामीण बीमार पड़ रहे हैं। उपजिलाधिकारी आयुष अग्रवाल ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग बाढ़ प्रभावित गांवों में लगातार मेडिकल कैंप लगा रहा है। शासन के निदेर्शानुसार फसल नुकसान का आकलन करके आर्थिक सहायता देने के लिए सर्वे जारी है। गांवों में साफ-सफाई और व्यवस्था ठीक करने के लिए डीपीआरओ को जरूरी निर्देश दिए गए हैं।

भूसे के ढेर में छिपाकर गहने चोरी

भूसा लादने आए मजदूरों ने चुराए सोने-चांदी के गहने, ग्रामीणों ने तीनों को पकड़ा पिकअप समेत पूरा माल

रायबरेली , गुरूबक्शगंज इलाके में चोरी का अजीब मामला सामने आया है। यहां भूसा लादने आए तीन मजदूरों ने मकान मालिक के सोने-चांदी के गहने चोरी कर भूसे के ढेर में छिपा दिए। गहने गायब होने का पता चलते ही मकान मालिक ने ग्रामीणों की मदद से तीनों को मौके पर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की तो उनकी निशानदेही पर चोरी का पूरा माल बरामद कर लिया गया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल पिकअप वाहन भी जब्त किया है। बरामद सामान में दो सोने की झुमकी, एक मांग टीका, एक जोड़ी चांदी की पायल और एक हाफ कमर पेटी शामिल है।

भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष डॉ रोहित मिश्र के स्वागत में उमड़ा युवा सैलाब, बैसवारा द्वार पर जेसीबी से पुष्पवर्षा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। भारतीय जनता युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ रोहित मिश्र के प्रथम उन्नाव आगमन पर भाजयुमो कार्यकताओं ने ऐतिहासिक स्वागत किया। गदन खेड़ा बाईपास स्थित बैसवारा द्वार पर दोपहर से ही युवाओं का हुजूम उमड़ पड़ा। निवर्तमान युवा मोर्चा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष ललित द्विवेदी, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष कुश सिंह और जिला कार्यकारिणी सदस्य आशुतोष सिंह आशु के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकताओं ने ढोल-नगाड़े, डीजे की धुन और आतिशबाजी के बीच प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार अभिनंदन किया।

ठीक सवा तीन बजे जैसे ही प्रदेश अध्यक्ष डॉ रोहित मिश्र का काफिला बैसवारा द्वार पर पहुंचा, पूरा माहौल ₹भारत माता की जय₹ और ₹युवा मोर्चा जिंदाबाद₹ के नारों से गूंज उठा। कार्यकताओं ने पहले से खड़ी कर रखी जेसीबी मशीन से प्रदेश अध्यक्ष पर भारी पुष्पवर्षा की। सड़क पर गुलाब की पंखुड़ियों की चादर बिछ गई। आतिशबाजी और धमाकों के बीच स्वागत ऐसा था कि नजारा देखते ही बन रहा था।

जिला उपाध्यक्ष कुश सिंह ने प्रदेश अध्यक्ष डॉ मिश्र को स्मृति चिन्ह व शहीद-ए-आजम प. चंद्रशेखर आजाद के साथ उनका चित्र भी भेंट किया। इस दौरान ललित द्विवेदी व आशुतोष सिंह आशु ने भव्य माला पहना कर प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया और कहा कि युवा मोर्चा अब गांव-गांव तक भाजपा की विचारधारा

पहुंचाएगा।

स्वागत के बाद सैकड़ों बाइकों और चार पहिया वाहनों के भारी काफिले के साथ कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष को भाजपा जिला कार्यालय लेकर पहुंचे। रास्ते भर जगह-जगह युवा टोलियों ने माला पहनाकर उनका अभिवादन किया। जिला कार्यालय पर भी कार्यकताओं ने फूल-मालाओं से लाद दिया। इस अवसर पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष डॉ रोहित मिश्र ने कहा, ₹एक-एक कार्यकर्ता स्वयं को रोहित मिश्रा समझे। यह पद नहीं, जिम्मेदारी है। हम सबका लक्ष्य एक ही है - 2027 में पुनः प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाना है। उन्होंने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हम प्रदेश में पुनः भगवा फहराने जा रहे हैं। इसके लिए सभी को अभी से अपनी-अपनी भागीदारी निभानी होगी। बूथ स्तर तक युवाओं को जोड़ना होगा। डॉ मिश्र ने कहा कि युवा मोर्चा सिर्फ संगठन नहीं, संस्कार है। हमें सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक विपक्ष के झूठ का जवाब देना है और केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाना है। उन्होंने कार्यकताओं का आह्वान किया कि वे 2027 के महासंग्राम के लिए तैयार हो जाएं। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष, युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष, नगर के पदाधिकारी और सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में ललित द्विवेदी ने सभी का आभार व्यक्त किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था संभाले रखी। स्वागत से उत्साहित युवा कार्यकताओं में 2027 के चुनाव को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

सड़क हादसे में घायल एयरफोर्स इंजीनियर की इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। बक्खा खेड़ा गांव निवासी एयरफोर्स इंजीनियर अमर दीप (28) की गुरुवार शाम लखनऊ के कमांड हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। वह 29 अप्रैल को हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। करीब चार महीने तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। शुक्रवार सुबह गांव में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। जानकारी के अनुसार अमर दीप पुत्र रामकुमार वर्ष 2018 में एयरफोर्स में इंजीनियर के पद पर भर्ती हुए थे। वर्तमान में उनकी तैनाती बेंगलुरु में थी। वह विभागीय कार्य से लखनऊ आए हुए थे, इसी दौरान वह अपने पैतृक गांव बक्खा खेड़ा आए थे। बताया जा रहा है कि 29 अप्रैल की शाम वह घर पर भोजन करने के बाद टहल रहे थे, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने पहले उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, हालत नाजुक होने पर लखनऊ कमांड हॉस्पिटल रेफर किया गया, जहां उनका इलाज चल रहा था। गुरुवार शाम इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। शुक्रवार सुबह पार्थिव शरीर गांव पहुंचते ही कोहराम मच गया। एयरफोर्स के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर उन्हें अंतिम विदाई दी। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में ग्रामीण व शुभचिंतक मौजूद रहे।

प्रसूता की मौत के बाद जागा प्रशासन सीएमओ ने अस्पतालों में छापा मार परखी हकीकत

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील क्षेत्र में हाल ही में हुई एक प्रसूता की मौत के मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह हरकत में आ गया है। शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार शर्मा ने क्षेत्र के सरकारी और निजी अस्पतालों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

सीएमओ डॉ. शर्मा ने सुमेरपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और पाटन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के साथ-साथ निजी क्षेत्र के सनराइज हॉस्पिटल एवं जे. डी. हॉस्पिटल एंड फ्रैक्चर सेंटर का अचानक निरीक्षण किया।

सुमेरपुर पीएचसी के निरीक्षण के दौरान अस्पताल प्रभारी नरेंद्र कृष्णा और अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौके पर उपस्थित पाए गए। हालांकि, स्वास्थ्य केंद्र परिसर में जगह-जगह फैली गंदगी को देखकर सीएमओ का पारा चढ़ गया। उन्होंने साफ-सफाई की बदहाल स्थिति पर नाराजगी जताते हुए कड़ी फटकार लगाई और तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के सख्त निर्देश दिए।

पाटन व सुमेरपुर में

निरीक्षण के दौरान डॉ. शर्मा ने कोल्ड चैन रूम का जायजा लिया ताकि टीकों के रख-रखाव और तापमान की स्थिति देखी जा सके। इसके अलावा उन्होंने औषधि स्टॉक रजिस्टर, मरीजों की आवक-जावक पंजी का गहनता से अवलोकन किया और दवाओं की उपलब्धता की समीक्षा की। निजी अस्पतालों में भी नियमानुसार सुविधाएं उपलब्ध कराने और लापरवाही न बरतने की सख्त हिदायत दी गई है।

खेत में भैंस को चारा देने गए मजदूर की जहरीले कीड़े के काटने से मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के सधन खेड़ा गांव में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। खेत में भैंस को चारा देने गए मजदूर की जहरीले कीड़े के काटने से मौत हो गई।

मृतक की पहचान सधन खेड़ा, पोस्ट पतारी निवासी कमलेश राजपूत (42) के रूप में हुई है। कमलेश मजदूरी करके अपने परिवार का गुजारा करते थे।

परिजनों के मुताबिक, शुक्रवार सुबह कमलेश खेत पर भैंस को चारा देने गए थे। इसी दौरान खेत में किसी जहरीले कीड़े ने उन्हें काट लिया। काटने के बाद अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन आनन-फानन में उन्हें जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। कमलेश की मौत से पत्नी और बच्चों का बुरा हाल है। उनके परिवार में दो बेटे और दो बेटियां, कुल चार बच्चे हैं। कमलेश के निधन के बाद बच्चों के पालन-पोषण को लेकर परिवार के सामने संकट खड़ा हो गया है। परिजनों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की है। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

महाविद्यालय में विशेष जागरूकता एवं सहभागिता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। इंदिरा गाँधी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की ईकाई स्थानीय द्वारा विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग क्विज में अधिक से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने एवं माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण कराने हेतु विशेष जागरूकता एवं सहभागिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विकसित भारत यंग लीडर्स के उद्देश्य, युवाओं की भूमिका तथा माई भारत पोर्टल से जुड़ने के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को विकसित भारत यंग लीडर्स क्विज में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया गया तथा इच्छुक विद्यार्थियों का माई पोर्टल पर पंजीकरण भी कराया गया। कार्यक्रम को राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. धर्मेन्द्र कुमार द्विवेदी व डॉ. हरिओम दिवाकर, स्वयंसेवक शिवम एवं कोमल द्वारा विद्यार्थियों को विकसित भारतीय यंग लीडर्स क्विज में सहभागिता एवं माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण के लिए प्रेरित करते हुए सफलतापूर्वक संपन्न कराया।

अल्लाह पाक ने मौलाना शाह फजले रहमां साहब को अता किया है बुलंद मकामः- हजरत मारूफ मियां

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। गंजमुरादाबाद नगर में स्थित मशहूर दरगाह हजरत मौलाना शाह फजले रहमां गंजमुरादाबादी के सज्जादा नशीन व मशहूर बुजुर्ग हजरत मारूफुर्रहमान उर्फ मारूफ मियां साहब ने आज जुमे के मुबारक मौके पर अकीदतमंदों को खिताब किया। इस दौरान उन्होंने अल्लाह के वली हजरत मौलाना शाह फजले रहमां साहब की शान, उनके मर्तबे और रूहानी कमालात पर विस्तार से रोशनी डाली। जुमे की नमाज में मजमा-ए-आम को संबोधित करते हुए हजरत मारूफुर्रहमान उर्फ मारूफ मियां साहब ने फरमाया कि अल्लाह तआला ने मौलाना शाह फजले रहमां साहब को बेइंतहा बुलंद और अजीम मकाम अता फरमाया है। वह ऐसे जलीलुल कदर बुजुर्ग हैं जिनकी अजमत और तारीफ को अल्फाजों में पूरी तरह बयान नहीं किया जा सकता। उनकी जिंदगी का हर पल खुदा की इबादत और इंसानियत की खिदमत के लिए रहा। उन्होंने तस्सवूफ और शरीयत के रास्ते पर चलकर जो रोशनी फैलाई, वह सदियों तक इंसानों का मार्गदर्शन करती रहेगी। इस रूहानी और पुरनूर मजलिस में पेश इमाम मौलाना इब्राहिम अब्र समेत हजारों की तादाद में दूर-दराज से आए नमाजी और अकीदतमंद मौजूद रहे। खिताब के अंत में मुल्क व मिल्लत में अमन, चैन, भाईचारे और सलामती के लिए विशेष दुआ मांगी गई, जिस पर उपस्थित जनसमूह ने आमीन कहा। इस दौरान पूरी दरगाह परिसर में अकीदत और रूहानियत का एक बेहद पुरसुकून माहौल नजर आया।

संकल्प अभियान के तहत बैठक आयोजित

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। भाजपा मंडल हिलौली की ओर से सेवा संकल्प अभियान के तहत ब्लाक सभागार में कार्यशाला एवं संगठन बैठक आयोजित की गई। इसमें अभियान को बूथ स्तर तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख दिलीप कुमार दीक्षित ने अभियान के कार्यक्रमों को पूरी ऊर्जा और समर्पण के साथ सफल बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर जनकल्याण के कार्यों को गति दी जाएगी। जिला महामंत्री डॉ रजनीश वर्मा ने संगठन और जनप्रतिनिधियों के आपसी समन्वय से सेवा कार्यों को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की। बताया गया कि सेवा संकल्प अभियान के तहत 13 अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मंडल अध्यक्ष रामशंकर राजपूत ने सेवा कार्यों को बूथ स्तर तक पहुंचाने की बात कही। मंच का संचालन डॉ सुर्जन सिंह ने किया। इस मौके पर रमेश बाजपेई, डॉ रजनीश वर्मा, पुष्पराज सिंह, राजन दीक्षित, सर्वेश सिंह बंसगोपाल, महेश सोनी, देशराज रावत, बीरेंद्र सिंह, सुरेश साहू, मनोज गौतम, आदि मौजूद रहे।

विवाहिता को दहेज के लिए पीटा, ससुर पर छेड़छड़ का आरोप मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के भगवंतनगर वार्ड सं. 09 निवासी रिया वाजपेयी ने तहरीर देकर बताया कि उसका विवाह वर्ष 2025 में प्रतापगढ़ निवासी शरद कुमार शुक्ला पुत्र राकेश शुक्ला के साथ हुआ था। शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष से पति शरद कुमार शुक्ला, ससुर राकेश, सास रेखा, ननद प्रीति व हिमांशी, मौसा ससुर रामचन्द्र और मौसी सास सुलेखा ये सभी लोग ब्रेजा कार और 5 लाख रुपये अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी जाने लगी। जब पीड़िता के पिता उससे मिलने ससुराल आए, तो पीड़िता ने उन्हें ससुर द्वारा की गई छेड़छाड़ और अश्लील हरकतों की जानकारी दी। शिकायत से नाराज ससुराल वालों ने गहने और कपड़े छीनकर पीड़िता को पहने हुए कपड़ों में पिता के साथ घर से बाहर निकाल दिया। थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया सात ससुरालीजनों पर दहेज एक्ट ,छेड़छाड़ सहित अन्य मामलों में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

घरेलू कलह के चलते अधेड़ ने फांसी लगाकर की आत्म हत्या

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुशराजपुर में घरेलू कलह के चलते अधेड़ ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कुशराजपुर निवासी धनीराम (45) पुत्र चोखे शुक्रवार को घरेलू विवाद के बाद घर में गमछे के सहारे फांसी लगा ली। घटना की जानकारी होने पर परिजनो ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है ।बताया गया कि धनीराम मेहनत-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। उसकी मौत से पत्नी पुष्पा और परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे पत्नी पुष्पा, पुत्री सोनी (18) और पुत्र नीरज (14) को रोते बिलखते छोड़ गया है।

सर्पदंश से किशोरी की मौत, झाड़-फूंक के चक्कर में बिगड़ी थी हालत

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम परसंडा में सांप के काटने से एक 14 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी अखिलेश कुमार लोधी उर्फ बजरंगी की पुत्री अनीशा (14), जो कक्षा 9 की छात्रा थी, बीते 10 सितंबर 2026 की रात अपने घर में बिस्तर बिछा रही थी। इसी दौरान अचानक एक विषैले सांप ने उसे डस लिया। घटना के बाद बदहवास परिजनों ने तुरंत इलाज कराने के बजाय पहले झाड़-फूंक का सहारा लिया, जिससे किशोरी की हालत लगातार बिगड़ती गई।

स्थिति अत्यधिक गंभीर होने पर परिजन उसे आनन-फानन में एक निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी नाजुक हालत को देखते हुए कानपुर हैलट अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। हालांकि, कानपुर ले जाते समय रास्ते में ही किशोरी ने दम तोड़ दिया।

मृतका के पिता अखिलेश कुमार मुंबई में रहकर मजदूरी करते हैं, जबकि उसका एक भाई सूरत में काम करता है। घर में अनीशा इकलौती पुत्री थी। किशोरी की अकाल मौत से परिवार में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सम्पादकीय

पायलटों पर सख्ती सुरक्षा की जरूरत

हजारों फीट की ऊंचाई पर उड़ रहे विमान में बैठे यात्रियों की जिंदगी पायलट के हाथ में होती है। ऐसे में पायलट का नशे में होना या नशीले पदार्थों के असर में उड़ान भरना केवल अनुशासनहीनता नहीं, बल्कि सैकड़ों जिंदगियों को खतरे में डालने वाली गंभीर चूक है। फुकेट-दिल्ली उड़ान की घटना ने विमानन सुरक्षा के इसी कमजोर पक्ष को सामने ला दिया है। अब सभी एयरलाइनों के पायलटों की ड्रग जांच कराने का फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है कि कॉकपिट तक पहुंचने वाला हर व्यक्ति पूरी तरह फिट और नशामुक्त हो। 4 अगस्त को फुकेट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की ए320 उड़ान अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गई। विमान में 137 यात्री और आठ चालक दल के सदस्य थे। घटना में 20 यात्री और चार चालक दल के सदस्य घायल हुए तथा 17 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। विमान हादसा जांच ब्यूरो की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार अचानक और थोड़े समय के लिए तीनों हाइड्रोलिक प्रणालियों में खराबी सामने आई। इसी रिपोर्ट में विमान के कप्तान की मनो-सक्रिय पदार्थों की जांच का परिणाम 'नॉन-नेगेटिव' पाए जाने का भी उल्लेख है। महत्वपूर्ण बात यह है कि जांच एजेंसी ने पायलट के ड्रग सेवन को विमान की ऊंचाई में आई गिरावट का कारण नहीं बताया है। फिर भी उसने मनो-सक्रिय पदार्थ के सेवन की पुष्टि को गंभीर चिंता माना और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की सिफारिश की। इस घटना के बाद डीजीसीए ने सभी भारतीय एयरलाइनों को अपने सभी पायलटों की एक बार ड्रग जांच कराने का निर्देश दिया है। देश में करीब 14 हजार पायलट हैं और अगले वर्ष जुलाई तक यह प्रक्रिया पूरी की जानी है। एयर इंडिया समूह पहले ही अपने करीब 5 हजार पायलटों की स्वैच्छिक एकमुश्त जांच शुरू कर चुका था। यह पहल जरूरी है, लेकिन असली परीक्षा इस बात की होगी कि जांच केवल घटना के बाद उठाया गया कदम न रह जाए, बल्कि विमानन सुरक्षा व्यवस्था का स्थायी हिस्सा बने। मौजूदा नियमों के तहत हर वर्ष 10 प्रतिशत पायलटों और एयर ट्रैफिक कंट्रोलरों की यादृच्छिक जांच अनिवार्य है। सुरक्षा से जुड़े अन्य कर्मचारी भी इसके दायरे में आते हैं। अब सभी पायलटों की साल में एक बार जांच कराने की दिशा में नियमों को और सख्त करने की तैयारी है। मौजूदा व्यवस्था में कर्मचारी के मूत्र के नमूने को दो अलग कंटेनरों में सुरक्षित रखा जाता है। पहले नमूने की तत्काल जांच होती है। यदि परिणाम 'नॉन-नेगेटिव' आता है तो पायलट को तुरंत उड़ान ड्यूटी से हटा दिया जाता है। दूसरे नमूने की अधिक सक्षम प्रयोगशाला में पुष्टि जांच होती है। यह जरूरी है, क्योंकि कुछ दवाओं या तकनीकी कारणों से शुरुआती जांच में गलत सकारात्मक परिणाम आ सकता है। इसलिए किसी व्यक्ति के करियर पर अंतिम फैसला पुष्टि जांच के बाद ही होना चाहिए। पुष्टि होने पर पहली बार कर्मचारी को विशेषज्ञ चिकित्सक, परामर्शदाता या नशामुक्ति केंद्र के पुनर्वास कार्यक्रम में भेजने का प्रावधान है। दोबारा उड़ान पर लौटने के लिए नकारात्मक जांच और फिटनेस प्रमाणपत्र जरूरी है।

सम्मेलन

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

ब्रिक्स के जरिए भारत होगा लाभान्वित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का मुख्य विषय 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और निरंतरता' है। 'मानवता प्रथम' के दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ आयोजित यह सम्मेलन ऐसे समय में आयोजित हो रहा है, जब वैश्विक व्यवस्था गहरे ध्रुवीकरण, आर्थिक अनिश्चितता और आपूर्ति श्रृंखलाओं के व्यवधान से जूझ रही है। ऐसे में 11 पूर्णकालिक सदस्यों और 10 सहयोगी देशों के इस विशाल मंच के माध्यम से भारत न केवल विकासशील राष्ट्रों (ग्लोबल साउथ) की प्राथमिकताओं को दिशा दे रहा है, बल्कि खुद को एक निर्णायक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने की राह पर आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है।

इन दिनों पूरी दुनिया की निगाहें 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की ओर लगी हुई हैं। यह वैश्विक संगठन अपनी स्थापना की 20वीं वर्षगांठ मनाते हुए अपने विस्तारित 'ब्रिक्स प्लस' के स्वरूप में एक मंच पर एकत्रित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में इस शिखर सम्मेलन का मुख्य विषय 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और निरंतरता' है। 'मानवता प्रथम' के दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ आयोजित यह सम्मेलन ऐसे समय में आयोजित हो रहा है, जब वैश्विक व्यवस्था गहरे ध्रुवीकरण, आर्थिक अनिश्चितता और आपूर्ति श्रृंखलाओं के व्यवधान से जूझ रही है।

ऐसे में 11 पूर्णकालिक सदस्यों और 10 सहयोगी देशों के इस विशाल मंच के माध्यम से भारत न केवल विकासशील राष्ट्रों (ग्लोबल साउथ) की प्राथमिकताओं को दिशा दे रहा है, बल्कि खुद को एक निर्णायक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने की राह पर आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। खास बात यह भी है कि ब्रिक्स सम्मेलन से भारत के आर्थिक और कूटनीतिक स्तर पर लाभान्वित होने की संभावनाएं स्पष्ट रूप से उभर कर दिखाई दे रही हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2006 में अपनी शुरुआत के बाद से ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) देशों का प्राथमिक उद्देश्य वैश्विक शासन, विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों-जैसे विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में उभरती अर्थव्यवस्थाओं को एक मजबूत आवाज देना था। यह महत्वपूर्ण है कि विस्तार के बाद ब्रिक्स अब 11 पूर्णकालिक सदस्यों का एक अत्यधिक प्रभावशाली और शक्तिशाली आर्थिक ब्लॉक बन चुका है। इसमें पांच मूल देशों के साथ मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और इंडोनेशिया शामिल हो चुके हैं। इसके साथ ही 10 अन्य राष्ट्रों को सहयोगी देश का दर्जा दिया गया है। इस समय ब्रिक्स का जनसांख्यिकीय एवं आर्थिक प्रभाव अभूतपूर्व है। यह संगठन वैश्विक जनसंख्या के करीब 49.5 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आधार पर ब्रिक्स का वैश्विक जीडीपी में योगदान करीब 40 प्रतिशत हो चुका है। यदि हम 18वें शिखर सम्मेलन के प्रमुख एजेंडे को देखें तो पाते हैं कि इस शिखर सम्मेलन के लिए भारत ने जिन प्राथमिकताओं को रेखांकित किया है, वे न केवल ब्रिक्स सदस्यों बल्कि संपूर्ण विकासशील जगत के आर्थिक और सामाजिक हितों का प्रतिनिधित्व करती हैं। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व से उत्पन्न होने वाले मुद्रा जोखिमों और विनिमय दर के उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए स्थानीय मुद्राओं मसलन रुपया, रूबल, दिरहम में व्यापार को बढ़ावा देना प्रमुख एजेंडा है। भारत पहले ही यूएई के साथ स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली की शुरुआत कर चुका है। इस व्यवस्था के विस्तार से सीमा पार भुगतानों में लगने वाली लागत घटेगी और छोटे व मध्यम उद्योगों के लिए व्यापार करना सुगम होगा। भारत का लक्ष्य ब्रिक्स देशों के बीच एक मजबूत, लचीली और पारदर्शी आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करना है। इसके साथ ही न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) के वित्तीय दायरे को बढ़ाकर हरित ऊर्जा और बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं में निवेश को आकर्षित करना है। भारत

अपने 'डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर' (डीपीआई)-विशेष रूप से यूपीआई को ब्रिक्स देशों के बीच सीमा पार भुगतान और वित्तीय समावेशन के लिए एक साझा ढांचे के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इसके साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के सुरक्षित, नैतिक और उत्तरदायी उपयोग के लिए नीतियां तैयार करना सम्मेलन की मुख्य प्राथमिकता है। यह भी उल्लेखनीय है कि यह सम्मेलन भारत के लिए आर्थिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है।

रूबिक्स डेटा साइंसेस की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2025-26 में ब्रिक्स देशों के साथ भारत का कुल द्विपक्षीय व्यापार लगभग 416 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। भारत का कुल आयात 320 अरब डॉलर का है, यह आयात मुख्य रूप से ऊर्जा (कच्चा तेल, गैस) और विनिर्माण इनपुट (इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी) पर केंद्रित है। ब्रिक्स देशों को भारत का कुल निर्यात लगभग 96 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच चुका है। यद्यपि ब्रिक्स देशों के साथ भारत के व्यापार की मात्रा बढ़ी है, लेकिन भारत के लिए 224 अरब डॉलर का भारी-भरकम व्यापार घाटा एक प्रमुख नीतिगत चुनौती बना हुआ है। अकेले चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 100 अरब डॉलर के करीब है। रूस से भारी मात्रा में रियायती दर पर कच्चे तेल के आयात के कारण रूस के साथ घाटा 55 अरब डॉलर पहुंच चुका है। निश्चित रूप से ब्रिक्स देशों के साथ भारत के व्यापार घाटे की चुनौतियों के बीच इस सम्मेलन से भारत को बहुआयामी आर्थिक लाभ मिलने की संभावनाएं हैं। उद्योग मंडल एसोचैम की रिपोर्ट के अनुसार, 18वें ब्रिक्स सम्मेलन में होने वाले रणनीतिक आर्थिक समझौतों के बल पर ब्रिक्स देशों को भारत का निर्यात साल 2030 तक दोगुना होकर 200 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से भारत से निर्यात बढ़ने के साथ-साथ भारत में निवेश और पर्यटन की नई संभावनाएं आगे बढ़ेंगी। जहां इस संगठन के कई सदस्य देश अलग-अलग आर्थिक दबावों का सामना कर रहे हैं, वहीं भारत की स्थिति इस समूह में बेहद मजबूत है। भारत चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल से जून की तिमाही में 7.8 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। वैश्विक कंपनियाँ आपूर्ति श्रृंखला के जोखिमों को कम करने के लिए 'चीन+1' रणनीति अपना रही हैं। भारत 'मेक इन इंडिया' और 'प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव' (पीएलआई) योजनाओं के माध्यम से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के लिए सबसे आकर्षक गंतव्य बनकर उभर रहा है। भारत की विशाल और युवा कार्यशील आबादी न केवल घरेलू उपभोग को गति दे रही है, बल्कि नवाचार, आईटी सेवाओं और स्टार्टअप इकोसिस्टम में भी ब्रिक्स देशों का नेतृत्व कर रही है।

भारत अब केवल कच्चे माल का निर्यातक नहीं रहा, अपितु फार्मास्यूटिकल्स, ऑटो कंपोनेंट्स, इंजीनियरिंग गुड्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी सेवाओं के क्षेत्र में भारतीय उत्पाद ब्रिक्स प्लस के नए बाजारों में अपनी गहरी पैठ बना रहे हैं। यह भारत के लिए महज एक औपचारिक कूटनीतिक आयोजन नहीं होगा, बल्कि यह भारत के वैश्विक कद को पुनर्परिभाषित करने वाला शिखर सम्मेलन सिद्ध होगा। उम्मीद करें कि 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के माध्यम से भारत ब्रिक्स को ऐसे आर्थिक सुधारवादी मंच के रूप में आगे बढ़ाने में कामयाब होगा, जिसका मूल ध्यान आर्थिक विकास, गरीबी उन्मूलन, नवाचार और सतत विकास पर केंद्रित हो। उम्मीद करें कि इस सम्मेलन से ब्रिक्स देशों के साथ भारत का व्यापार बढ़ेगा, व्यापार घाटा घटेगा और भारत 21वीं सदी की बहुध्रुवीय दुनिया में एक संतुलनकारी आर्थिक शक्ति के रूप में भी आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा।

विशेष

डॉ. इन्दिरा मिश्र

श्री अरविन्द की महानता

श्री अरविन्द एक महान योगी, दार्शनिक व कुशाग्र बुद्धि सम्पन्न विलक्षण व्यक्तित्व थे। सन 1910 में अर्थात 38 वर्ष की उम्र से अपने पांडिचेरी के एकान्त स्थान में रहते हुए भी वे पूरे विश्व की घटनाओं पर दृष्टि रखते थे। वे जो वचन बोलते थे उनमें पूर्ण सत्य था, और अतिरंजना का पूर्ण बहिष्कार। उनकी वाणी में साक्षात सरस्वती विराजती थी। वे मनुष्य के अतिमानव बन सकने में विश्वास रखते थे। उन्होंने स्वंय इसकी साधना की थी। उनके प्रयासों एंव उनकी सह-तपस्विनी श्री मां के त्याग, प्रेम, समर्पण कल्पना शक्ति और अनवरत अध्यवसाय से वह साधना आगे बढ़ी। सन 1926 में कुल 24 सहयोगीयों से श्री अरविन्द आश्रम की स्थापना हुई। आज यह संख्या 2500 हो चुकी है। शिक्षा के प्रति उनका मनना था यह छात्र के सम्पूर्ण व्यक्तित्व ही नहीं,

बल्कि उसकी आत्मा के उत्थान का मापक है। इन सब कल्याणकारी मानवहितकारी प्रयासों से, बहुत से लोगों में उत्थान उच्च भावनाओं का विकास हुआ, बहुत सी आदर्श शिक्षण संस्थाए बनी, हिन्दू धर्म और गूढ़ पौराणिकता का मंथन हुआ, उसमें छुपे हुए मणि मुक्ताविचारों के रत्न-भंडार विकसित हुए। आश्रम के कई साधकों की मीमांसा चर्चाओं और विचारों के आदान-प्रदान से कई जिज्ञासाओं का सच्चा समाधान मिला। भारत की स्वतंत्रता का जो अरमान श्री अरविन्द के शुरू के दिनों में -जब भारतीय समाज गुलाम मनोवृत्ति से ग्रस्त और लगभग निष्प्राण हो चुका था- उसका नवांकुर उनके वचनों को सुनकर युवा-हृदयों में प्रकाशित हो उठा। श्री अरविन्द के लिखे प्रेरक वचन वन्देमातरम समाचार पत्र में छपते थे। युवा जगत उनका बेसब्री से इंतजार करता था। कविवर रवींन्द्रनाथ ठाकुर, मोतीलाल राय एंव पाल गंगाधर तिलक, विपिन चन्द्र पाल, लाला लाजपत राय, चित्तरंजन दास जैसे तेजस्वी व्यक्तियों ने उनसे प्रेरणा पाई। स्वयं नेताजी ने कहा था कि उनके देखने में तत्कालीन बड़े नेताओं में श्री अरविन्द सबसे अधिक सशक्त तेजोमय तथा प्रभाव शाली नेता थे। उन्होंने मानो बूढ़े भारत में फिर से नई जवानी का संचार कर दिया था।

श्री अरविन्द की महानता के कई आयाम थे उदारता निस्वार्थता और धन के प्रति अनासक्ति, तीक्ष्ण, बौद्धिकता, गहरा देशप्रेम, मातृ-पितृ भक्ति, कवि गुण, सृजनशीलता, धैर्य, अध्यवसाय, साहस, विद्वत्ता, योग, मनस्विता, विनोद-प्रियता, आध्यात्मिकता, भाषाविदता, कला-प्रेम, नेतृत्वशक्ति, संकल्पशीलता आदि इन सभी गुणों का एक एक उदाहरण प्रस्तुत है।

उदारता: श्री अरविन्द जब बड़ौदा में थे, तब उन्हें बहुत अधिक वेतन मिलता था। वे सभी वेतन की राशि अपने टेबल पर रख देते थे। जिस राशि की जिसे पात्रता/आवश्यकता होती थी, वह व्यक्ति ले सकता था। उनका विश्वास था, कि प्रभु उनकी ओर से हिसाब रखते हैं।

निःस्वार्थता: श्री अरविन्द का मानना था, कि वे केवल अपने जरूरत की राशि का खर्च करें तथा शेष प्रभु के कामों के लिए दे देंगे।

देशप्रेम: उन्हें अपने देश के प्रति इतना प्रेम था, कि 14वर्ष इंग्लैंड में बिताने के बाद जब वापसली के लिए उन्होंने बम्बई में पानी के जहाज से उतरकर अपने देश की धरती पर पांव रखा तब उनके हृदय में एक अपार शान्ति उतर आई फिर वह शान्ति चिरस्थाई हो गई।

मातृ-पितृ भक्ति: वे इंग्लैंड से लौटे तब उनकी माता कुछ रूग्ण थी और उनको एक तरह से भूल चुकी थी तब उन्होंने अपनी अंगुली पर एक घाव का निशान दिखाकर मां को कहा, मां देखो! मैं तुम्हारा अरु हूं। तुम्हें याद है न यह घाव। तब उनकी माता को स्मरण आया। अपने पिता पर उन्हें बहुत श्रद्धा थी। वे भारत में थे और यहां से उन्हें अखबारों की कतरने भेजते थे, जिनमें अंग्रेजों के अनाचार की घटनाएं छपती थी। उनसे वे व्यथित होते थे। वे अंग्रेजों के प्रति क्रोध का अनुभव करते। परन्तु आगे चलकर चूंकि उनके पिता चाहते थे कि वे आई.सी.एस. बने, तो श्री अरविन्द ने वह परीक्षा भी दी और उनमें उच्च अंक पाये। परन्तु चूंकि वे ब्रिटिश हुकुमत की सेवा करना नहीं चाहते थे, (बल्कि ब्रिटिश सरकार को उखाड़ फेंकना चाहते थे) इसलिए वे आई.सी.एस. परीक्षा के बाद एक जरूरी टेस्ट- घुड़सवारी के टेस्ट के लिए नहीं पहुंचे। इसलिए वे आई.सी.एस. बनने से बच गये, जबकि पिता की इच्छा थी की वे आईसीएस बने।

कवि गुण : श्री अरविन्द की कविताओं के बारे में कुछ कहना गागर में सागर समाने जैसी बात होगी। इतना कहना पर्याप्त है कि उन्होंने कई वर्षों के अंतराल में 23,000 पंक्तियो का एक महाकाव्य 'सावित्री' अंग्रेजी में लिखा है, जिसमें भाषा और भावों की ऊंचाई की पराकाष्ठा है। उनकी अन्य कविताओं का अनुवाद हिन्दी में श्री सुमित्रानंदन पंत ने किया है जो बेजोड़ है और जिसमें अद्भुत भावोत्प्रेरणा है। उनकी कविता 'देवता का श्रम' का अनुवाद रामधारी सिंह दिनकर ने किया है और वह भी हमारे मानसिक धरातल को बेहद ऊंचे पर ले जाता है।

सृजनशीलता : श्री अरविन्द का लेखन लगभग 1000 पृष्ठों से अधिक था। उन्होंने दिव्य जीवन **Life Divine**, **Synthesis Of Yoga** तथा अन्य बहुत से ग्रंथ लिखे हैं। वे पूरी रात लिखते रहते थे। उन्होंने अलीपुर जेल के अपने संस्मरण लिखे है जिसमें उन्होंने शामिल की है एक अद्भुत टिप्पणी - कि उस जेल में कई ऐसे बंदी भी थे जो कत्ल के जुर्म में जेल में थे परन्तु उनके चेहरों पर भी एक मक्खन जैसी भद्रता थी और वे इन्हें इतने प्रेम और श्रद्धा से देखते थे कि क्या कहा जाए। उन लोगों को देखकर सच्ची भारतीयता का ज्ञान होता था।

साहस : उन्होंने साहसपूर्वक देशप्रेम के लिए अंग्रेज समीक्षकों की अजन्ता की मूर्तियों को देखकर विपरीत टिप्पणी के विरुद्ध लेख के लिए और अंग्रेज समीक्षक को चेताया कि वे भारतीय सौंदर्यशास्त्र विषयक और पुरुष आकृति की मान्यताओं के बारे में अपना ज्ञान और बढ़ाए तब समीक्षा लिखें।

जीवन ऊर्जा पर करें मन को केंद्रित

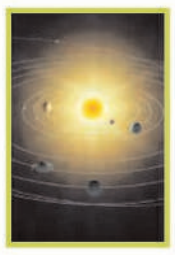

संकलित

दर्शन

बुद्धिमान व्यक्ति इस ब्रह्मांड, इस संसार से परे चले जाते हैं और अमरत्व को प्राप्त कर लेते हैं। लेकिन कैसे? वस्तुतः हमारे भीतर कुछ ऐसा होता है, जो कभी नहीं मरता, जो कभी बूढ़ा नहीं होता। इस बारे में प्रत्येक व्यक्ति अपने ढंग से सोचता है। अगर आप देखें तो छोटे बच्चे बड़े हो रहे हैं और स्थितियां भी बदल रही हैं, लेकिन कई बार आप महसूस करते हैं कि आप नहीं बदल रहे हैं। कुछ लोग कहते हैं- मैं तो बूढ़ा हुआ ही नहीं/हुई ही नहीं। भीतर से आपको महसूस होता है कि सिर्फ समय बीता है, आपमें कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। यह सच भी है, क्योंकि आपके भीतर एक ऐसा अंश है, जो न तो बदलता है और न ही मरता है। यही एक दूसरी दुनिया है, जहां अमरत्व है। मृत्युलोक वह है, जहां सब कुछ बदल जाता है। मृत्यु का अर्थ है परिवर्तन या क्षय। आप इस नाशवान संसार से अमरत्व, अपरिवर्तनशील संसार, शाश्वत-आत्मा की ओर मुड़ जाते हैं, जो आपके भीतर है। आपके मन के पीछे है। आत्मा वह नहीं है, जिसे आप देख सकें, बल्कि वह है, जिसे आप अपने भीतर महसूस करते हैं। यह प्राणों का प्राण है। जब प्राण उच्च स्तर में होता है, तब आप हर परिस्थिति में मुस्कुरा सकते हैं। आप अपनी दैनिक गतिविधियों में प्राण ऊर्जा को खर्च करते हैं। यदि आप प्राण की कमी को पूरा किए बिना प्राण को खर्च करते रहते हैं, तब आपको अवसाद घेर लेता है। जीवन विरोधी चिह्न शरीर में उत्पन्न होने लगते हैं और सौंदर्य नष्ट होने लगता है। अपने प्राण, अपने श्वास का निरीक्षण करें।

आखिर कर्म ही महान

संकलित

प्रेरणा

एक बार बुद्ध एक गांव में अपने किसान भक्त के यहां गए। शाम को किसान ने उनके प्रवचन का आयोजन किया। बुद्ध का प्रवचन सुनने के लिए गांव के सभी लोग उपस्थित थे, लेकिन वह भक्त ही कहीं दिखाई नहीं दे रहा था। गांव के लोगों में कानाफूसी होने लगी कि कैसा भक्त है कि प्रवचन का आयोजन करके स्वयं गायब हो गया। प्रवचन खत्म होने के बाद सब लोग घर चले गए। रात में किसान घर लौटा। बुद्ध ने पूछाः कहां चले गए थे? गांव के सभी लोग तुम्हें पूछ रहे थे। किसान ने कहा, दरअसल प्रवचन की सारी व्यवस्था हो गई थी, पर तभी अचानक मेरा बैल बीमार हो गया। पहले तो मैंने घरेलू उपचार करके उसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन जब उसकी तबीयत ज्यादा खराब होने लगी तो मुझे उसे लेकर पशु चिकित्सक के पास जाना पड़ा। अगर नहीं ले जाता तो वह नहीं बचता। आपका प्रवचन तो मैं बाद में भी सुन लूंगा। अगले दिन सुबह जब गांव वाले पुनः बुद्ध के पास आए तो उन्होंने किसान की शिकायत करते हुए कहा, यह तो आपका भक्त होने का दिखावा करता है। प्रवचन का आयोजन कर स्वयं ही गायब हो जाता है। बुद्ध ने उन्हें पूरी घटना सुनाई और फिर समझाया, उसने प्रवचन सुनने की जगह कर्म को महत्व देकर यह सिद्ध कर दिया कि मेरी शिक्षा को उसने बिल्कुल ठीक ढंग से समझा है। उसे अब मेरे प्रवचन की आवश्यकता नहीं है। मैं यही तो समझाता हूं कि अपने विवेक और बुद्धि से सोचो कि कौन सा काम पहले किया जाना जरूरी है।

अंतर्मन

आज की पाती

मिट्टी बचेगी, तभी खेती बचेगी

भारतीय कृषि अब एक नए युग की ओर अग्रसर है, जहां विकास का आकलन करने के लिए केवल वृद्धि ही एकमात्र मापदंड नहीं रह गया है। मिट्टी की घटती उर्वरता, भूजल की कमी, जैव विविधता का क्षय, जलवायु परिवर्तनशीलता और बढ़ती खेती लागत के कारण किसान और कृषि क्षेत्र पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। इस संदर्भ में पुनर्योजी कृषि एक आशाजनक मार्ग है। यह एक समग्र दृष्टिकोण है जो न केवल वर्तमान प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करेगा, बल्कि वास्तव में मिट्टी के स्वास्थ्य, जैव विविधता, जल प्रणालियों और पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यों को बेहतर बनाकर कृषि उत्पादकता को बनाए रखेगा। मुख्य बात पुनर्योजी कृषि पर ध्यान केंद्रित करना और कृषि के पारिस्थितिक स्तंभों को पुनर्स्थापित करना है। अगर मिट्टी बचेगी, तो ही खेती बचेगी। - *कृष्णा साहू, रायपुर*

ट्रेंड

रणनीतिक साझेदारी

भारत और जर्मनी के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने पर हमने व्यापार, निवेश, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, टैलेंट मोबिलिटी और अन्य क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के अपने संकल्प को दोहराया।

- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

बीजेपी की बेचैनी

जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, बीजेपी की बेचैनी बढ़ती जा रही है, और इसी वजह से पीडीए समाज के लोगों पर ज्यादतियां भी बढ़ रही है। हापुड़ जिले के बदनौली गाँव में दलित युवक दीपक की गोली मारकर बेरहमी से हत्या कर दी गई।

- **अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

सीआईडी एडीजी

सीआईडी के एडीजी पर कोयला चोरी जैसे भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे है। हैरानी की बात यह है कि यही एडीजी उस इंटरव्यू बोर्ड के सदस्य भी थे, जिसका संबंध जेपीएससी के उसी घोटाले से है जिसकी जांच अब सीआईडी ही कर रही है।

- **बाबूलाल मरांडी,** पूर्व सीएम, झारखंड

ईस्ट ज़ोन को बधाई

ईशान किशन की कप्तानी में इतने सालों बाद दिलीप ट्रॉफी जीतने पर ईस्ट ज़ोन को बधाई... वे पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहे... पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए बंगाल के खिलाड़ियों और टीम के बाकी सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई।

-**सौरव गांगुली,** पूर्व भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी

करंट अफेयर

किम की बेटी उनकी संभावित उत्तराधिकारी : द. कोरिया

दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा (एनआईएस) यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन का कोई बेटा भी है। हालांकि, एजेंसी का मानना है कि किम की किशोर उम्र की बेटी के उनका उत्तराधिकारी बनने की प्रबल संभावना है। एनआईएस ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि अगर किम का कोई बेटा है भी तो वह उनका उत्तराधिकारी बनने की स्थिति में नहीं है। किम ने 2011 में अपने पिता किम जोंग इल के निधन के बाद उत्तर कोरिया की सरकार की बागडोर संभाली थी।

ऑफ बीट

बिना जरूरत न लें एंटीबायोटिक दवा

एंटीबायोटिक प्रतिरोध तब पैदा होता है जब एक सूक्ष्मजीव बदल जाता है और उस एंटीबायोटिक के प्रति प्रतिक्रिया नहीं करता है, जो पहले प्रभावी थी। इससे दवा का असर नहीं होने के कारण बीमारी बढ़ने, मृत्यु की अधिक आशंका और स्वास्थ्य देखभाल पर अधिक खर्च होता है। एंटीबायोटिक प्रतिरोध को लेकर यह स्थिति है कि कुछ रोगियों को अस्पताल में भर्ती कराया जाता है क्योंकि मौखिक एंटीबायोटिक्स अब प्रभावी नहीं हैं और उन्हें ड्रिप के माध्यम से अंतः शिरा चिकित्सा प्रदान करने की आवश्यकता होती है। दुनिया के कुछ हिस्सों में एंटीबायोटिक प्रतिरोध उच्च स्तर तक बढ़ रहा है।

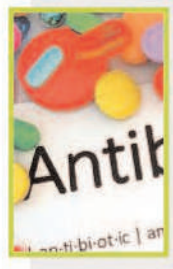

संक्षेप

सड़क किनारे झाड़ी में मिला युवक का शव

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

अमेठी , मुंशीगंज थाना क्षेत्र में जामो-भादर मार्ग के किनारे झाड़ी में युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सुबह करीब 8 बजे राहगीरों ने पूरब दुआरा गांव के पास झाड़ी में शव पड़ा देखा। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। कुछ ही देर में मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही मुंशीगंज पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने शव को झाड़ी से बाहर निकलवाया। पहचान होने पर मृतक के परिजनों को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने युवक की हत्या किए जाने की आशंका जताई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार अभी युवक की मौत की वजह स्पष्ट नहीं हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। सड़क किनारे झाड़ी में पड़ा था शव पीपरपुर थाना क्षेत्र के घोरहा गांव निवासी 32 वर्षीय सोनू कश्यप का शव जामो-भादर मार्ग पर पूरब दुआरा गांव के पास झाड़ी में मिला। सुबह सड़क से गुजर रहे राहगीरों की नजर झाड़ी में पड़े शव पर पड़ी। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। शव मिलने की जानकारी आसपास के लोगों को हुई तो मौके पर भीड़ जुट गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से शव को झाड़ी से बाहर निकलवाया। पहचान होने के बाद पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी। कुछ देर बाद परिजन भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने सोनू की मौत को सामान्य नहीं मानते हुए हत्या की आशंका जताई है। पोस्टमार्टम के बाद साफ होगी मौत की वजहमुंशीगंज थाना प्रभारी बृजेश सिंह ने बताया कि युवक का शव सड़क किनारे झाड़ी में मिला है। मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चल पाएगा। पुलिस ने घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। युवक का शव सड़क किनारे झाड़ी में किन परिस्थितियों में पहुंचा, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

एसपी ने की क्राइम मीटिंग

अपराधियों पर शिकंजा कसने के सख्त निर्देश दिए, देर रात 12 बजे तक चली बैठक

अमेठी ,कानून व्यवस्था मजबूत करने के लिए पुलिस कार्यालय सभागार गौरीगंज में एक क्राइम मीटिंग हुई। एसपी सरवणन टी. की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जिले के सभी प्रभारी निरीक्षक और थानाध्यक्ष शामिल हुए। यह बैठक रात 9 बजे शुरू हुई और देर रात 12 बजे तक चली। अमेठी पुलिस ने अपराधों पर लगाम कसने के लिए तैयारी कर ली है। इसी कड़ी में एसपी सरवणन टी. ने पुलिस कार्यालय सभागार गौरीगंज में सभी थानों के प्रभारी निरीक्षक और थानाध्यक्षों के साथ अपराध बैठक की। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने अपराध और अपराधियों को रोकने के लिए कई जरूरी निर्देश दिए।

कजरी-तीज महोत्सव को लेकर प्रशासन अलर्ट

सरयू घाट से मेला क्षेत्र तक अफसरों ने परखी तैयारियां

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराईच। आगामी दो दिवसीय कजरी/तीज महोत्सव को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। महोत्सव के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं मेले में आने वाले लोगों की संभावित भीड़ को देखते हुए प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इसी क्रम में एसडीएम कैसरगंज प्रशांत कुमार नायक, क्षेत्राधिकारी कैसरगंज डीके श्रीवास्तव एवं थानाध्यक्ष हुजूरपुर ने संयुक्त रूप से भग्गड़वा थाना हुजूरपुर क्षेत्र स्थित सरयू नदी घाट एवं मेला क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घाट की स्थिति, मेला क्षेत्र में आने-जाने वाले रास्तों, भीड़ नियंत्रण तथा सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न बिंदुओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने महोत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। सरयू नदी घाट पर विशेष सतर्कता बरतने तथा भीड़ के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने मेला क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को भी व्यवस्थित रखने पर विशेष जोर दिया, ताकि श्रद्धालुओं और वाहन चालकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। पुलिसकर्मियों को भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लगातार निगरानी रखने और संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। एसडीएम प्रशांत कुमार नायक ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कहा कि महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। वहीं सीओ डीके श्रीवास्तव ने पुलिस टीम को सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह मुस्तैद रहने के निर्देश दिए। प्रशासनिक अधिकारियों के निरीक्षण के बाद मेला क्षेत्र में तैयारियों को लेकर संबंधित विभागों एवं पुलिस प्रशासन की सक्रियता बढ़ गई है। दो दिवसीय कजरी/तीज महोत्सव को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापक तैयारी शुरू कर दी है।

चार साल में ही जर्जर हुई दो करोड़ की सड़क, राह चलना दुश्वार

बारिश के बाद जगह-जगह उखड़ी सड़क, पत्थर बिखरे, कई लोग गिरकर हो चुके चोटिल

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। तहसील मिहींपुरवा क्षेत्र की ग्राम पंचायत गुलरा गायघाट के भज्जापुरवा से दखिनहनपुरवा जाने वाला संपर्क मार्ग निर्माण के महज चार वर्ष में ही बदहाल हो गया है। करीब दो करोड़ रुपये की लागत से ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की ओर से वर्ष 2023 में बनाई गई करीब दो किलोमीटर लंबी सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं और सड़क की गिट्टियां उखड़कर बिखर गई हैं। इससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार सड़क निर्माण के दौरान ही कार्य में घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाया गया था। हालांकि जिम्मेदारों ने शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया। निर्माण के करीब छह माह बाद ही सड़क कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिसके बाद इसकी मरम्मत भी कराई गई थी। इसके बावजूद इस वर्ष हुई बारिश के बाद सड़क की हालत फिर बेहद खराब हो गई है। सड़क की परत उखड़ने से जगह-जगह बड़े-बड़े पत्थर निकल आए हैं। दोपहिया वाहन चालकों के लिए रास्ता बेहद जोखिम भरा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि कई लोग सड़क पर फिसलकर गिर चुके हैं और चोटिल भी हुए हैं। यह मार्ग भज्जापुरवा, गुलरा, बक्साहिया, राजापुर बनकटवा और हंसपुर समेत कई गांवों के लोगों के आवागमन का प्रमुख रास्ता है। ग्रामीणों ने सड़क की गुणवत्ता की जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई और मार्ग की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है।

सिपाही शिरडी मोहन ने पास की यूपीएसएसएससी परीक्षा

कनिष्ठ सहायक अधिकारी बनकर बढ़ाया क्षेत्र का मान

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। पुलिस की नौकरी करने के साथ ही बचे समय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करके कनिष्ठ सहायक अधिकारी बनकर शिरडी मोहन उपाध्याय ने इतिहास रच दिया है। जनपद बहराइच के तहसील महसी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम उपाध्याय पुरवा (पोस्ट निवासी रामगोपाल उपाध्याय और माता श्रीमती सावित्री देवी के पुत्र शिरडी मोहन ने युवाओं के सामने एक नई मिसाल कायम की है। यूपी पुलिस की व्यस्त और चुनौतीपूर्ण ड्यूटी के बावजूद, शिरडी मोहन ने अपनी कड़ी मेहनत से उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग यूपीएसएसएससी की परीक्षा पास कर जूनियर असिस्टेंट (कनिष्ठ सहायक अधिकारी / बड़े बाबू) के पद पर सफलता हासिल की है। उल्लेखनीय है कि शिरडी मोहन और उनके भाई मदन मोहन उपाध्याय ने वर्ष 2021 में एक साथ पुलिस विभाग में भर्ती होकर परिवार का मान बढ़ाया था। ड्यूटी के साथ-साथ जहाँ शिरडी ने शानदार समय प्रबंधन से यह मुकाम पाया है, वहीं उनके भाई मदन मोहन भी पुलिस सेवा के साथ उच्च शिक्षा की तैयारी और शोध कार्य में निरंतर जुटे हुए हैं। ड्यूटी के साथ शिक्षा के प्रति दोनों भाइयों का यह समर्पण क्षेत्र के युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा है। शिरडी मोहन की इस विशेष उपलब्धि पर उनके गांव, परिवार और पुलिस महकमे में हर्ष का माहौल है और उन्हें लगातार बधाइयां मिल रही हैं। आपको बताते चले शिरडी मोहन उपाध्याय शुरूआती दौर से ही मेधावी रहे हैं।उन्होंने बताया कि इस सफलता के बाद भी वह आगामी परीक्षाओं की तैयारी करते रहेंगे।

कैसरगंज बस स्टैंड पर अकेले मोर्चा संभाल रहे पीआरडी जवान गिरधारी लाल मिश्रा

हजारों वाहनों के बीच सुचारू यातायात व्यवस्था संभालने की क्षेत्रवासियों ने की सराहना

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। कैसरगंज बस स्टैंड पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में पीआरडी जवान गिरधारी लाल मिश्रा इन दिनों लोगों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। बस स्टैंड जैसे व्यस्त स्थान पर दिनभर हजारों वाहनों और यात्रियों की आवाजाही के बीच वह अकेले ही यातायात व्यवस्था को संभालते नजर आते हैं। गिरधारी लाल मिश्रा अपनी जिम्मेदारी को पूरी सजगता और मुस्तैदी के साथ निभाते हुए वाहनों को व्यवस्थित तरीके से निकलवाते हैं। उनकी सक्रियता के चलते बस स्टैंड क्षेत्र में अनावश्यक जाम की स्थिति बनने से काफी हद तक राहत मिलती है और यात्रियों का आवागमन भी सुचारू बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यातायात व्यवस्था को संभालने में गिरधारी लाल मिश्रा की कार्यशैली काबिले-तारीफ है। वह लगातार सड़क पर मुस्तैद रहकर वाहनों को नियंत्रित करते हैं और जरूरत के अनुसार लोगों को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हैं। क्षेत्रवासियों के मुताबिक, एक जवान की मुस्तैदी कई लोगों पर भारी पड़ रही है। अकेले दम पर जिम्मेदारी संभालते हुए गिरधारी लाल मिश्रा ने अपनी कार्यशैली से लोगों का भरोसा और सम्मान हासिल किया है। स्थानीय लोगों ने उनकी ईमानदारी, जिम्मेदारी और तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कर्मठ जवानों के उत्साहवर्धन से यातायात व्यवस्था और बेहतर हो सकती है। कैसरगंज बस स्टैंड पर उनकी ड्यूटी के दौरान लोगों को जाम और अव्यवस्था से राहत मिल रही है। यही वजह है कि क्षेत्र की जनता के बीच पीआरडी जवान गिरधारी लाल मिश्रा की कार्यशैली की चर्चा और प्रशंसा देखने को मिल रही है।

कजरी तीज पर्व को लेकर पुलिस ने किया पैदल गश्त, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

अमन लेखनी समाचार

फखरपुर, बहराइच। आगामी कजरी तीज पर्व एवं क्षेत्र में शांति और सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत फखरपुर पुलिस पूरी तरह सतर्क नजर आ रही है। थाना प्रभारी राम कुमार राजभर ने पुलिस टीम के साथ थाना क्षेत्र के फखरपुर कस्बे सहित चौकी कुंडासर क्षेत्र के रुकनापुर एवं कुंडासर चौराहे पर पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान पुलिस टीम ने बाजार, प्रमुख मार्गों, चौराहों एवं सार्वजनिक स्थानों पर गश्त कर लोगों से संवाद किया। थाना प्रभारी ने स्थानीय लोगों से पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। साथ ही पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाए। पुलिस ने लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की। इस दौरान चौकी प्रभारी कुंडासर सर्वजीत गुप्ता, प्रमोद सिंह, जय प्रकाश सहित तमाम पुलिसकर्मी मौजूद रहे। पुलिस की पैदल गश्त से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लोगों में भरोसा बढ़ा।

बीईओ ने बीआरसी मिहींपुरवा में प्रशिक्षण का किया औचक निरीक्षण

संदर्भदाताओं को स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। ब्लॉक संसाधन केंद्र मिहींपुरवा में चल रहे एफएलएन प्रशिक्षण का खंड शिक्षा अधिकारी डॉ.अजीत कुमार सिंह ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता का जायजा लेते हुए उपस्थित प्रतिभागियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान संदर्भदाता प्रदीप नारायण सिंह, अंशुल कुमार, सुनील कुमार, संदीप मेहरोत्रा एवं पवन शर्मा को बीईओ द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. अजीत कुमार सिंह ने कहा, शिक्षक केवल वेतनभोगी कर्मचारी नहीं होता, बल्कि वह समाज का सच्चा मार्गदर्शक और युग निमार्ता होता है। प्रलय और निर्माण दोनों ही शिक्षक की गोद में पलते हैं।उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी प्रतिभागी इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान व कौशलों का अपने-अपने विद्यालयों में प्रभावी प्रयोग करेंगे,जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव हो सके।

इस अवसर पर लैंग्वेज लर्निंग फाउंडेशन के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर जितेंद्र मिश्रा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

कजरी तीज व गणेश पूजा को लेकर कैसरगंज कोतवाली में हुई पीस कमेटी की बैठक

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। आगामी कजरी तीज एवं गणेश पूजा को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से कैसरगंज कोतवाली परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कोतवाली प्रभारी कैसरगंज राजकुमार पांडे ने की। इसमें थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए पूजा आयोजकों, ग्राम प्रधानों, धर्मगुरुओं और क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों ने भाग लिया। बैठक में कोतवाली प्रभारी ने कजरी तीज एवं गणेश पूजा के आयोजकों को निर्देशित किया कि मूर्ति स्थापना एवं धार्मिक कार्यक्रम निर्धारित नियमों के अनुसार ही आयोजित किए जाएं। आयोजन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचने की अपील की गई। वहीं डीजे संचालकों को भी मानक के अनुरूप डीजे संचालन करने की हिदायत दी गई। निर्धारित ध्वनि सीमा और समय का पालन करने के साथ ही किसी भी प्रकार के विवादित अथवा आपत्तिजनक गीत-संगीत से बचने के निर्देश दिए गए। बैठक में मौजूद विभिन्न धर्मों के लोगों से आपसी भाईचारे, गंगा-जमुनी तहजीब और सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की गई। पुलिस प्रशासन ने कहा कि सभी त्योहार प्रेम, शांति और भाईचारे का संदेश देते हैं, इसलिए किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें कोतवाली प्रभारी राजकुमार पांडे ने कहा कि त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रहेगी। साथ ही उन्होंने क्षेत्रवासियों से पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। बैठक में सरदार पटेल इंटर कॉलेज कैसरगंज के प्रबंधक कौशलेन्द्र, पूर्व प्रधान, मौलाना खालिद, डॉ. दिनेश सिंह, हीरालाल मौर्य समेत विभिन्न गांवों के ग्राम प्रधान, पूजा आयोजक, धर्मगुरु एवं तमाम सम्मानित संभ्रांत नागरिक मौजूद रहे।

बेशकीमती जमीन के गलत नामांतरण का आरोप

नायब तहसीलदार-सब रजिस्ट्रार समेत 9 पर कोर्ट में अर्जी, 25 सितंबर को अगली सुनवाई

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर , बेशकीमती जमीन के गलत तरीके से नामांतरण के आरोप में जयसिंहपुर की नायब तहसीलदार, सब रजिस्ट्रार समेत नौ लोगों के खिलाफ सीजेएम कोर्ट में अर्जी दी गई है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नवनीत सिंह की अदालत ने मामले में संज्ञान लिया है। शिकायतकर्ता ने शाम करीब 4 बजे मीडिया को इसकी जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक, कोर्ट ने इस मामले में तहसील स्तर के उच्च अधिकारियों से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई के लिए 25 सितंबर की तारीख तय की गई है। यह शिकायत जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के बिरसिंहपुर निवासी रामप्रकाश सिंह ने 15 जुलाई की घटना बताते हुए सीजेएम कोर्ट में दाखिल की है। रामप्रकाश सिंह के आरोप के मुताबिक, बिरसिंहपुर निवासी उनके नाना के एक बेटा और एक बेटी थे। नाना की मौत के बाद उनकी जमीन मामा के नाम दर्ज हो गई थी। उनके मामा अविवाहित थे और 5 जनवरी 2007 को उनकी मौत हो गई। रामप्रकाश का आरोप है कि मामा की मौत के बाद उनकी संपत्ति हड़पने के लिए गांव के कुछ लोगों ने साजिश रची। इसी साजिश के तहत जमीन का गलत तरीके से नामांतरण कराया गया। मामले में उन्होंने जयसिंहपुर की नायब तहसीलदार, सब रजिस्ट्रार समेत नौ लोगों के खिलाफ कोर्ट में शिकायत दाखिल कर कार्रवाई की मांग की है।

183 गुम-चोरी मोबाइल बरामद

पुलिस ने 29.28 लाख के फोन मालिकों को लौटाए

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ ,पुलिस को गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद करने में सफलता मिली है। उएकफ पोर्टल की तकनीकी मदद और सर्विलांस के जरिए पुलिस ने अलग-अलग कंपनियों के कुल 183 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 29 लाख 28 हजार रुपये है गुरुवार दोपहर एक बजे पुलिस लाइन स्थित साईं कॉम्प्लेक्स में एक कार्यक्रम हुआ। इसमें अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी आलोक कुमार ने बरामद मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को सौंप दिए। लंबे समय बाद अपना मोबाइल वापस पाकर लोगों ने प्रतापगढ़ पुलिस के काम की तारीफ की। पुलिस के अनुसार, मोबाइल बरामदगी अभियान में लगातार अच्छे नतीजे मिल रहे हैं। अगस्त महीने में मोबाइल बरामदगी की 81 प्रतिशत रिकवरी हुई, जबकि जुलाई में जिले की रैंकिंग छठे नंबर पर आ गई। बरामद किए गए 183 मोबाइलों में और फ्री जैसे कई कंपनियों के फोन शामिल हैं। एएसपी आलोक कुमार ने लोगों से अपील की है कि मोबाइल फोन गुम या चोरी होने पर तुरंत संबंधित थाने में बताएं और उएकफ पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने बताया कि कटएक नंबर के आधार पर उएकफ के माध्यम से गुम या चोरी हुए मोबाइल को नेटवर्क पर ब्लॉक कराया जा सकता है। इससे फोन के दुरुपयोग को रोकने में मदद मिलती है।

मंदिर परिसर से बाइक चोरी, 3 गिरफ्तार

प्रतापगढ़ पुलिस ने बाइक बरामद कर आरोपियों को जेल भेजा

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , कुंडा थाना क्षेत्र में मनगढ़ धाम मंदिर के बाइक स्टैंड से हुई मोटरसाइकिल चोरी के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की बाइक भी बरामद कर ली है। पुलिस ने दोपहर करीब एक बजे इस मामले का खुलासा किया। कुंडा थाना क्षेत्र के लरू गांव के रहने वाले शिव प्रसाद पटेल 8 सितंबर को मनगढ़ मंदिर दर्शन करने गए थे। उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल मंदिर के स्टैंड में खड़ी की और दर्शन करने चले गए। जब वे वापस लौटे, तो उन्हें स्टैंड से अपनी बाइक गायब मिली।सुभाष श्रीकांतपुर अमरौना गांव के रहने वाले थे। उनके दो बड़े भाई अवधेश तिवारी और त्रिभुवन नाथ तिवारी हैं। पिता का नाम रामआधार तिवारी था। सुभाष पत्नी सपना के साथ अलग रहते थे, लेकिन परिवार के अन्य सदस्यों से उनके संबंध अच्छे थे। वह अपने भतीजे राजन तिवारी के साथ भी रहते थे। इसके बाद शिव प्रसाद पटेल ने 9 कुंडा पुलिस को शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान कुंडा पुलिस ने चेकिंग करते हुए बाइक पर सवार तीन संदिग्ध युवकों को पकड़ा। पूछताछ और जांच में सामने आया कि इन तीनों ने ही मनगढ़ धाम के मोटरसाइकिल स्टैंड से बाइक चोरी की थी। पुलिस ने उनकी बताई जगह से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद कर ली। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विवेक यादव, संजय यादव और विकास यादव के रूप में हुई है।

संक्षेप

3 नदियां खतरे के निशान पर

29 गांव बाढ़ की चपेट में, 261 लोग प्रभावित; हनुमतधाम की सीढ़ियों तक पहुंचा पानी

शाहजहांपुर ,लगातार बढ़ रहे नदी के जलस्तर से बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।जिले की तीन तहसीलों के 29 गांव और सदर तहसील का लोधीपुर मोहल्ला बाढ़ की चपेट में हैं।प्रशासन के मुताबिक 261 लोग प्रभावित हुए हैं।गंगा, रामगंगा और गर्रा नदियां खतरे के निशान के बराबर बह रही हैं। हनुमतधाम की कई सीढ़ियों और प्रांगण तक भी बाढ़ का पानी पहुंच गया है। खननौद नदी का पानी बढ़ने से लोधीपुर में घरों तक पानी पहुंच गया है। तीन दिन पहले डूब क्षेत्र में बने मकानों से 17 परिवारों को सुरक्षित निकालकर आश्रय स्थलों पर पहुंचाया गया था। कुछ परिवार रिश्तेदारों के घर चले गए। वहीं, प्रशासन ने बाढ़ चौकियां सक्रिय करने के साथ नाव, मोटरबोट, गोताखोर और मेडिकल टीमों की व्यवस्था की है।खननौद नदी बढ़ी तो लोधीपुर के घरों में पहुंचा पानी सदर तहसील का लोधीपुर मोहल्ला खननौद नदी का जलस्तर बढ़ने से प्रभावित हुआ है। नदी का पानी अब घरों तक पहुंच गया है। तीन दिन पहले डूब क्षेत्र में बने मकानों में रहने वाले 17 परिवारों को प्रशासन ने सुरक्षित बाहर निकाला था।इन परिवारों में कुछ लोगों को बाढ़ शरणालयों में रखा गया, जबकि कई लोग अपने रिश्तेदारों के यहां चले गए। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन लगातार प्रभावित इलाकों पर नजर रख रहा है। गंगा नदी के खतरे के निशान पर बहने से कलान तहसील के 9 गांव प्रभावित हुए हैं। इनमें पैलानी उत्तर, गुटेटी उत्तर, परौर, दहेलिया, चौरा बगर खेत, कीलापुर कला, नवादा तालुका बानगांव, पूरनपुर और हैदलपुर शामिल हैं।रामगंगा नदी के बढ़े जलस्तर से परशुरामपुरी तहसील के 19 गांव प्रभावित हैं। गर्रा नदी भी खतरे के निशान के बराबर बह रही है। बुधवार रात करीब 8 बजे दियूनी बैराज से गर्रा नदी में लगभग 9 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इससे नदी किनारे के इलाकों में खतरा और बढ़ गया है 12 मेडिकल टीमें और नाव-मोटरबोट लगाईंबाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने बाढ़ चौकियों को सक्रिय कर दिया है। प्रभावित क्षेत्रों में गोताखोरों की तैनाती की गई है। 12 मेडिकल टीमें लगाई गई हैं, जबकि लोगों की आवाजाही और जरूरत पड़ने पर रेस्क्यू के लिए नाव और मोटरबोट तैयार रखी गई हैं।

बहन को बुलाने गई युवती से गैंगरेप

कमरे में खींचकर वारदात, माता-पिता पहुंचे तो धमकी देकर भागे आरोपी, एफआईआर

शाहजहांपुर , आरसी मिशन थाना क्षेत्र में 18 साल की युवती से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। युवती अपनी 10 साल की छोटी बहन को बुलाने पड़ोस के घर गई थी। आरोप है कि वहां रहने वाले युवक ने अपने साथी के साथ मिलकर उसे कमरे में खींच लिया और दुष्कर्म किया। घटना शाम करीब 4 बजे की बताई गई है। पीड़िता करीब एक घंटे तक आरोपियों के कब्जे में रही। इसी दौरान उसके माता-पिता को घटना की जानकारी हुई और वे मौके पर पहुंचे। आरोप है कि उन्हें देखते ही दोनों आरोपी जातिसूचक गालियां देने लगे और जान से मारने की धमकी देकर वहां से फरार हो गए। रात पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। छोटी बहन को बुलाने पड़ोसी के घर गई थी।

बैंक कर्मचारियों का प्रदर्शन

5 डे वीक, पुरानी पेंशन और समान पीएलआई की मांग; सितंबर में 3 दिन की हड़ताल की चेतावनी

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज ,यूपी बैंक एम्प्लॉइज यूनियन के बैनर तले शुक्रवार को विभिन्न बैंकों के कर्मचारियों और अधिकारियों ने प्रदर्शन किया। हाईकोर्ट के पास इंडियन बैंक परिसर में जुटे कर्मचारियों ने पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने, पुरानी पेंशन बहाल करने और समान पीएलआई की मांग उठाई। प्रदर्शन में एआईबीईए, एआईबीओसी, एनसीबीई, एआईबीओए, बीईएफआई, आईएनबीईएफ और आईएनबीओसी से जुड़े कर्मचारी और अधिकारी शामिल हुए। कर्मचारियों के हाथों में पोस्टर और तख्तियां थीं, जिन पर पांच दिवसीय बैंकिंग और वर्क-लाइफ बैलेंस लागू करने की मांग लिखी थी।

छह दिन काम का विरोध, पांच दिन बैंकिंग की मांग

यूपी बैंक एम्प्लॉइज यूनियन के जिला मंत्री मदन उपाध्याय ने कहा कि पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था की मांग लंबे समय से की जा रही है। 27 जनवरी 2026 को देशभर में बैंक कर्मचारियों की हड़ताल के बाद भी सरकार और इंडियन बैंक्स एसोसिएशन की ओर से कोई सकारात्मक फैसला नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक, एलआईसी और केंद्र सरकार के कई कार्यालयों में पांच दिन काम होता है। ऐसे में बैंक कर्मचारियों से छह दिन काम कराने का कोई औचित्य नहीं है। लगातार छह दिन काम करने से कर्मचारियों के स्वास्थ्य और परिवार के साथ समय बिताने पर भी असर पड़ता है।

मांगें नहीं मानीं तो सितंबर में हड़ताल की चेतावनी

मदन उपाध्याय ने कहा कि कर्मचारी समान पीएलआई की मांग भी कर रहे हैं। अगर मांगों पर जल्द फैसला नहीं हुआ तो सितंबर में तीन दिन की हड़ताल की जाएगी। इसके बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल का भी फैसला लिया जा सकता है। प्रदर्शन में बैंक ऑफ बड़ौदा समेत कई बैंकों की शाखाओं से कर्मचारी पहुंचे।

उमेश पाल की पत्नी बोलीं-मैं ब्राह्मण, मंदिर में शादी हुई

पूजा पाल की जाति नहीं जानती; अतीक परिवार के वकील ने कोर्ट में क्या-क्या पूछा

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , जिला कोर्ट में बहुचर्चित उमेश पाल हत्याकांड में उनकी पत्नी जया पाल की गवाही हुई। माफिया अतीक अहमद के आरोपी बहनोई एखलाक अहमद के वकील ताराचंद्र गुप्ता ने पूछा- आपकी और उमेश की शादी कैसे हुई? मर्जी से हुई या किसी और ने कराई? क्या इसका कोई रिकॉर्ड है? इस पर जया पाल ने कहा- मैं ब्राह्मण समाज से हूं। मेरी शादी उमेश पाल से 19 जनवरी, 2005 को हुई थी। उस वक्त बालिग थी, इसलिए सबकुछ मेरी मर्जी से हुआ। ससुराल वाले घर के पास स्थित मंदिर में सात फेरे लिए। पुजारी ने रस्में कराईं। इस वजह से कोई लिखा-पढ़ी नहीं हुई थी। मुझे मंदिर का नाम भी नहीं पता। वकील ने पूछा- पूर्व विधायक राजू पाल हत्याकांड में उमेश पाल ने खुद को प्रत्यक्षदर्शी बताया था या नहीं? राजू पाल की पत्नी पूजा पाल किस जाति की हैं? क्या उनकी उमेश पाल से मारपीट हुई थी? जवाब में जया ने कहा कि उन्हें इस बारे में नहीं पता। हालांकि, धूमनगंज थाना क्षेत्र में उमेश और पूजा पाल के बीच कोई मारपीट नहीं हुई थी। दरअसल, 8 सितंबर से कोर्ट में उमेश पाल हत्याकांड की सुनवाई हो रही है। विशेष न्यायाधीश एक्ट कोर्ट में शुरूआती दो दिन जया पाल के बयान दर्ज हुए। इसके बाद बहस शुरू हुई। प्रयागराज में 24 फरवरी, 2023 को उमेश पाल और उनके दो सरकारी गनर की दिनदहाड़े गोली और बम मारकर हत्या कर दी गई थी। उमेश 2005 में हुए बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह थे। हत्या का आरोप माफिया और पूर्व सांसद अतीक अहमद, उसके भाई अशरफ, बेटे असद और उनके गुर्गों पर लगा था।

मायके में महिला की मौत

1 साल पहले हुई थी शादी, 5 महीने मुंबई में रही फिर स्टेशन पर छोड़ गया था पति

अमन लेखनी समाचार

देवरिया ,जिले के महुआडीह थाना क्षेत्र के पिपरा मदन गोपाल गांव में दिन में एक बजे 20 साल की एक विवाहिता की मौत हो गई। मृतका की पहचान कृति सिंह पुत्री मुकेश सिंह के रूप में हुई। घटना के बाद परिवार में दुख छा गया। पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाकर मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी।परिवारवालों ने बताया कि कृति की शादी लगभग एक साल पहले हुई थी। शादी के बाद 5 जून 2025 को वह अपने पति के साथ मुंबई गई थी। करीब पांच महीने वहां रहने के बाद उसे देवरिया रेलवे स्टेशन पर छोड़ दिया गया था। इसके बाद वह ससुराल गई, जहां से मायके वाले उसे अपने साथ ले आए थे। पिछले कुछ समय से कृति अपने मायके में ही रह रही थी। इसी दौरान संदिग्ध हालात में उसकी मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए। कृति परिवार की सबसे बड़ी बेटी थी। उसके दो भाई अमित और कृष्णा हैं। परिवारवालों ने घटना के दौरान एक बुलेट बाइक और सोने की चेन से जुड़ी जानकारी भी दी है। हालांकि, इन सामानों का युवती की मौत से क्या संबंध है, यह अभी साफ नहीं हो सका है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, युवती की मौत की असली वजह जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगी। पुलिस ने परिवारवालों से भी घटना के बारे में जानकारी ली है। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। महुआडीह पुलिस ने बताया कि मामले की जांच चल रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

बैंक कर्मचारियों ने किया हड़ताल

मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे, लगभग 500 करोड़ का लेनदेन हुआ प्रभावित

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर ,शुक्रवार को बैंक कर्मचारियों की हड़ताल से शहर की बैंकिंग व्यवस्था लगभग ठप हो गई। बैंक प्रबंधन, वित्त मंत्रालय और यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के बीच केंद्रीय श्रमायुक्त कार्यालय में दो दिनों तक चली बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंची। वार्ता विफल होते ही जिले भर के बैंक कर्मचारी हड़ताल पर उतर आए, जिससे आम लोगों और व्यापार पर सीधा असर पड़ा। गोरखपुर में करीब 3000 बैंक अधिकारी और कर्मचारी इस हड़ताल में शामिल हुए। इसके चलते शहर में 500 करोड़ रुपये से ज्यादा का लेनदेन प्रभावित हुआ। सरकारी बैंकों की शाखाओं में कामकाज न के बराबर रहा, जिससे कैश जमा-निकासी, चेक क्लियरिंग और अन्य जरूरी काम पूरी तरह प्रभावित हुए।

एसबीआई मुख्य शाखा बना प्रदर्शन का बड़ा केंद्र

हड़ताल के दौरान गोरखपुर में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा सबसे बड़ा प्रदर्शन स्थल बनी रही। सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी यहां जुटे और अपनी मांगों को लेकर जोरदार नारेबाजी की। कर्मचारियों ने बैनर-पोस्टर के साथ विरोध जताते हुए सरकार और बैंक प्रबंधन से तुरंत समाधान की मांग की। स्टेट बैंक स्टाफ यूनियन, गोरखपुर के उपमहामंत्री आरके गुप्ता ने कहा कि बैंक कर्मचारी लंबे समय से अपनी मांगों को उठा रहे हैं, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिलता है। उन्होंने साफ कहा कि अब कर्मचारियों का धैर्य जवाब दे चुका है। अगर जल्द हमारी मांगें नहीं मानी गईं, तो आंदोलन और तेज होगा। जरूरत पड़ी तो हम अनिश्चितकालीन हड़ताल से भी पीछे नहीं हटेंगे।

लोगों को हुई भारी परेशानी

हड़ताल का असर गोरखपुर के हर इलाके में साफ दिखा। सुबह से ही लोग बैंक पहुंचे, लेकिन काम न होने के कारण उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा। कई जगहों पर बैंक के बाहर भीड़ लगी रही, लेकिन अंदर कामकाज बंद रहा। व्यापारियों, नौकरीपेशा लोगों और आम ग्राहकों को दिनभर परेशान होना पड़ा।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती, फिर युवती को होटल ले गया युवक

नोएडा में मनमानी का विरोध करने पर मारपीट, तेजाब डालने की धमकी; केस दर्ज

अमन लेखनी समाचार

नोएडा,इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती के बाद एक युवक पर युवती को दिल्ली से नोएडा लाकर होटल में उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश करने का आरोप लगा है। युवती ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और तेजाब डालकर जान से मारने की धमकी दी। युवती किसी तरह होटल से निकलकर घर पहुंची और परिजन को घटना की जानकारी दी। पिता की शिकायत पर फेज-3 थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तीन साल से दिल्ली में रह रही युवती मूलरूप से हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला की रहने वाली युवती पिछले करीब तीन साल से दिल्ली में रह रही है। वह दिल्ली में ही नौकरी करती है।

युवती के पिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि कुछ समय पहले उनकी बेटी की इंस्टाग्राम के जरिए भविष्य शर्मा नाम के युवक से दोस्ती हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत होने लगी। परिवार को इस दोस्ती की जानकारी नहीं थी। 1 सितंबर को होटल ले जाने का आरोप पिता के मुताबिक, युवती ने घर पहुंचकर बताया कि 1 सितंबर को भविष्य शर्मा उसे दोस्ती का झांसा देकर नोएडा के सेक्टर-71 स्थित एक होटल में ले गया था। आरोप है कि होटल के कमरे में पहुंचने के बाद युवक ने युवती के साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। युवती ने इसका विरोध किया तो दोनों के बीच विवाद हो गया। इसके बाद आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और तेजाब डालकर जान से मारने की धमकी दी। किसी तरह होटल से निकलकर पहुंची घर धमकी के बाद युवती डर गई।

मुठभेड़ में 2 बदमाश अरेस्ट

पैर में लगी गोली, लूट-चोरी का गैंग चलाते थे; तमंचे-जेवर और 4700 रुपए मिले

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , रात मुठभेड़ के बाद 2 बदमाशों को गिरफ्तार किया। दोनों पुलिस टीम को देखकर फायरिंग कर भागने लगे थे। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों के पैर में गोली मारकर पकड़ा। घायल बदमाशों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए बदमाश चोरी और लूट की वारदात करते थे। इनके कब्जे से 2 तमंचे, सोने के जेवरात और 4700 रुपए बरामद हुए हैं। पूछताछ में दोनों ने अंकुर विहार में बंद मकान में चोरी और लोनी क्षेत्र में महिलाओं से कुंडल-पर्स लूटने की बात कबूल की है। चोरी की सूचना पर पुलिस ने बढ़ाई चेकिंग एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने बताया कि डीएलएफ चौकी क्षेत्र के सुंदर विहार में एक बंद मकान में चोरी हुई थी। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी में शामिल बदमाश किसी वारदात को अंजाम देने वाले हैं। सूचना के बाद थाना अंकुर विहार की पुलिस पिकेट और गश्त को सक्रिय किया गया। पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर नाकाबंदी कर चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान रामलीला मार्ग पर 2 संदिग्ध युवक आते दिखाई दिए। पुलिस को देखते ही फायरिंग कर भागने लगे पुलिस के मुताबिक, दोनों युवकों ने पुलिस टीम को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी और भागने लगे। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर जवाबी कार्रवाई की। दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें मौके से पकड़ लिया गया। पुलिस ने मौके से दोनों तमंचे, सोने के जेवरात और 4700 रुपए बरामद किए। घायल होने के बाद दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।दिन में रेकी, रात में ताले तोड़कर चोरीपूछताछ में बदमाशों ने अपनी पहचान आकिब पुत्र यामीन निवासी लिसाड़ी गेट, मेरठ और ध्यान सिंह निवासी भरतना, मैनपुरी के रूप में बताई। दोनों ने पुलिस को बताया कि 2 दिन पहले उन्होंने अंकुर विहार में एक बंद मकान में चोरी की थी। उन्होंने बताया कि वारदात से पहले दिन में इलाके की रेकी करते थे। इसके बाद रात में मौका देखकर बंद मकानों के ताले तोड़कर सामान चोरी कर लेते थे। पुलिस के अनुसार, करीब एक महीने पहले दोनों ने लोनी क्षेत्र में 2 अलग-अलग महिलाओं से कुंडल और पर्स लूटने की वारदात भी की थी। आकिब ने पूछताछ में बताया कि वह मूल रूप से हरियाणा के सोनीपत स्थित मडोरा का रहने वाला है। पुलिस अब दोनों से अन्य वारदातों और इनके गैंग में शामिल दूसरे लोगों के बारे में पूछताछ कर रही है।

2350 लोगों पर पुलिस का एक्शन

त्योहारों से पहले ग्रामीण इलाकों में कार्रवाई, धारा 126/135 में बुक किया

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद ,आने वाले त्योहारों और आयोजनों को देखते हुए पुलिस ने ग्रामीण इलाकों में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्रवाई तेज कर दी है। ग्रामीण पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र नाथ तिवारी के निर्देश पर ग्रामीण जोन के सभी नौ थाना क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान विवाद या शांति व्यवस्था बिगाड़ने की आशंका वाले लोगों की पहचान कर कुल 2,350 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई।पुलिस के मुताबिक, अभियान का मकसद त्योहारों के दौरान इलाके में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। पुलिस टीमों ने ऐसे लोगों की जानकारी जुटाई, जो पहले विवाद या गलत गतिविधियों में शामिल रहे हैं। साथ ही उन लोगों को भी चिह्नित किया गया, जिनसे आने वाले दिनों में शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। धारा 126/135 में कार्रवाई पुलिस ने चिह्नित किए गए लोगों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 126/135 के तहत कार्रवाई की है। ग्रामीण जोन के सभी नौ थाना क्षेत्रों में पुलिस ने अभियान चलाकर ऐसे लोगों का रिकॉर्ड तैयार किय। जिनसे कानून-व्यवस्था को खतरा हो सकता है।पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश को गंभीरता से लिया जाएगा। संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ाने के साथ पुलिस की मौजूदगी भी बढ़ाई जाएगी।ह्यशांति और सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को नहीं बख्शेंगेह्णग्रामीण पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि आने वाले त्योहारों और आयोजनों को देखते हुए पुलिस पूरी तरह सतर्क है। ग्रामीण जोन में शांति और कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। लोगों की सुरक्षा और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है।

पुलिस चौकी के बाहर युवक ने खुद को आग लगाई

गाजियाबाद में युवकों ने की थी मारपीट, पुलिस से नहीं मिली मदद

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद ,25 साल के एक युवक ने रात को खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। इसकी वीडियो भी सामने आई है। जहां मोनू पुत्र इरफान पुलिस चौकी पहुंचा था। इसके बाद युवक वहां बीच-बचाव कराते हैं। जिसके बाद युवक खुद को माचिस से आग लगा लेता है इसके बाद पुलिसकर्मी भागकर आग को बुझाते हैं। युवक को 60 प्रतिशत झुलसी हालत में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया है। मामला खोड़ा थाना क्षेत्र का है। युवकों ने की थी मारपीट यह पूरा मामला गाजियाबाद में थाना खोड़ा क्षेत्र की नेहरू गार्डन चौकी का है। जहां नेहरु गार्डन में रहने वाले दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। दोनों पक्षों की ओर से पुलिस को प्रार्थना पत्र दिए गए थे। रात करीब साढ़े 11 बजे इसी मामले में दोनों पक्ष चौकी पर पहुंचे, जहां एक बार फिर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। इसी दौरान सोनू ने चौकी से बाहर निकलकर अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। पुलिस ने तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाई और व्यक्ति को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। युवक को गंभीर हालत में दिल्ली में भर्ती कराया गया है।एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि पुलिस द्वारा पूरे प्रकरण के सभी तथ्यों की गहनता से जांच की जा रही है। मौके पर फिलहाल शांति व्यवस्था कायम है। किन परिस्थितियों में युवक ने यह कदम उठाया इसकी भी जांच की जा रही है। यदि पुलिस की लापरवाही सामने आई तो जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने तत्काल आग बुझाते हुए युवक को अस्पताल पहुंचाया।

सांसद अरुण सागर ने तीन ओपन जिम का उद्घाटन किया

विधानसभा चुनाव पर की चर्चा, बोले-ग्रामीणों को मुफ्त फिटनेस मिलेगी

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर, पुवायां विधानसभा क्षेत्र के तीन गांवों में गेल इंडिया की सीएसआर निधि से बनाए गए ओपन जिम का उद्घाटन किया गया। कंजा पुरैना, महुरैना और हरना जाजू नगला गांव में बने इन जिम का दोपहर करीब 3 बजे भाजपा सांसद अरुण सागर ने उद्घाटन किया। इस दौरान कार्यकताओं और ग्रामीणों ने सांसद का फूल-मालाओं से स्वागत किया। 'ओपन जिम से ग्रामीणों को मिलेगा स्वास्थ्य लाभ'उद्घाटन के दौरान सांसद अरुण सागर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के स्वास्थ्य और फिटनेस के लिए ओपन जिम काफी उपयोगी हैं। इनका इस्तेमाल कोई भी व्यक्ति अपने शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए कर सकता है।उन्होंने कहा कि अक्सर ग्रामीण क्षेत्रों के लोग जिम जाकर अपनी फिटनेस पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। कई निजी जिम में फीस देनी पड़ती है। ऐसे में सीएसआर निधि से बनाए गए ये ओपन जिम ग्रामीणों के लिए बेहतर विकल्प हैं। तीनों जिम में मुफ्त एक्सरसाइज कर सकेंगे ग्रामीण।सांसद ने कहा कि गेल इंडिया की सीएसआर निधि से बनाए गए ये तीनों ओपन जिम किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं हैं।

सामूहिक दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तार

बहन को बुलाने गई युवती के साथ किया था रेप, पिता ने दी तहरीर

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर, पुलिस ने दोपहर 2 बजे सामूहिक दुष्कर्म के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी सचिन वर्मा और दिल कुमार कश्यप आरसी मिशन थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह घटना छह सितंबर की है। 18 साल की पीड़िता अपनी 10 साल की बहन को बुलाने आरोपी सचिन वर्मा के मकान में गई थी। आरोप है कि तभी सचिन और दिल कुमार ने उसे पकड़ लिया और कमरे में ले जाकर उसके साथ बारी बारी से दुष्कर्म किया। पीड़िता के पिता ने बुधवार को इस मामले की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी करीब एक घंटे तक दोनों के चंगुल में फंसी रही। जब पीड़िता के माता-पिता वहां पहुंचे, तो आरोपी शिकायत करने पर जातिसूचक गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पीड़िता के पिता ने थाने में तहरीर दी थी और अपनी बेटी को नाबालिग बताया था। हालांकि, पुलिस की जांच में पीड़िता बालिग निकली। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की।

महिला की मौत पर-परिजनों ने रोड जाम किया

डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया, एफआईआर के बाद माने

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर , शाम करीब 4 बजे प्रसव के बाद महिला की मौत से गुस्साए परिजनों ने पोस्टमार्टम के बाद उसका शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। परिजनों का आरोप था कि पुलिस प्राइवेट अस्पताल के डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं कर रही है। उन्होंने कुछ पुलिसकर्मियों पर मारपीट करने का आरोप भी लगाया। करीब एक घंटे तक लोग हंगामा करते रहे।

प्रसव पीड़ा होने पर अस्पताल ले जा रहे थे परिजन

मामला पुवायां थाना क्षेत्र के ककराहा बेहटा गांव का है। यहां रहने वाली जूली को 8 सितंबर को प्रसव पीड़ा हुई थी। परिजन उसे सरकारी अस्पताल ले जा रहे थे। आरोप है कि वाहन चालक ने उसे एक प्राइवेट अस्पताल के पास रोक दिया। परिजनों के मुताबिक, उन्होंने डॉक्टर से ऑपरेशन नहीं करने के लिए कहा था, लेकिन इसके बावजूद डॉक्टर ने तुरंत ऑपरेशन कर दिया। ऑपरेशन के बाद जूली ने एक बेटे को जन्म दिया।

डॉक्टर पर शराब के नशे में होने का आरोप

परिजनों ने आरोप लगाया कि ऑपरेशन करने वाला एक डॉक्टर शराब के नशे में था। उनका यह भी आरोप है कि अस्पताल में उनसे जबरन 40 हजार रुपए जमा कराए गए। 9 सितंबर को जूली की हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उसे बरेली रेफर कर दिया। परिजन उसे बरेली ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद का 61वां शहादत दिवस पीडीए गौरव दिवस के रूप में मनाया

अमन लेखनी समाचार

चोपन/सोनभद्र - परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद का 61वां शहादत दिवस गुरुवार को चोपन के इमाम चौक पर समाजवादी अल्पसंख्यक सभा एवं इदरीसी समाज की ओर से पीडीए गौरव दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने वीर अब्दुल हमीद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके अदम्य साहस, देशभक्ति एवं सर्वोच्च बलिदान को याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यक्रम संयोजक एवं समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव नजमुद्दीन इदरीसी ने की। संचालन अभिषेक दुबे ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष राम निहोर यादव रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सपा प्रदेश सचिव हाजी मुनीर आलम एवं राजेश गौड़ सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद ने वर्ष 1965 के भारत-पाक युद्ध में अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनके शौर्य और बलिदान को देश हमेशा याद रखेगा। वक्ताओं ने कहा कि वीर अब्दुल हमीद का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने देश की एकता, अखंडता और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। वक्ताओं ने कहा कि वीर अब्दुल हमीद की शहादत हमें सामाजिक न्याय, समानता, भाईचारे और देश की एकता के लिए कार्य करने की प्रेरणा देती है।कार्यक्रम में पीडीए की एकजुटता और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। इस मौके पर राम निहोर यादव, सुनील गौड़, विजय यादव, श्याम बिहारी यादव, रमेश यादव, डाला चेयरमैन फूलवती गौड़, परमेश्वर यादव, मुस्तफा सिद्दीकी, असलम खान, रसीद आलम, सुजीत राय, शाहिद कुरैशी, परवेज इदरीसी, रमेश सोनी, महेंद्र निषाद, जीशान खान, ऋषिराज यादव सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी ने वीर अब्दुल हमीद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सामाजिक न्याय, समानता, भाईचारे और पीडीए की एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया।

68 लाख 97 हजार भू-स्वामियों को निःशुल्क मिलेंगे भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र

17 सितंबर से शुरू होगा अभियान, तीन चरणों में लगेंगे ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर

अमन लेखनी समाचार

सिंगरौली । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन पंजीयन योजना और मुख्यमंत्री सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि स्वामित्व योजना के तहत प्रदेश में आबादी भूमि के 68 लाख 97 हजार भू-स्वामियों को निःशुल्क पंजीयन प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। अभियान 17 सितंबर से शुरू होगा। योजना के तहत पटवारी और भू-स्वामी सारा ऐप पर भू-अधिकार पत्र एवं ई-केवाईसी दर्ज करेंगे।नायब तहसीलदार और तहसीलदार ऑनलाइन सत्यापन के बाद पंजीयन प्रमाण पत्र जारी करेंगे। ग्राम पंचायत स्तर पर तीन चरणों में शिविर लगाए जाएंगे। पहला चरण 17, 18 और 19 सितंबर, दूसरा 24, 25 और 26 सितंबर तथा तीसरा 1, 2 और 3 अक्टूबर को होगा। शिविर समाप्त होने के सात दिन के भीतर प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने तथा शिविर स्थलों पर बिजली और इंटरनेट की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। प्रदेश में 3771 नायब तहसीलदारों को उप पंजीयक के अधिकार दिए गए हैं, जो संपदा-2 पोर्टल के माध्यम से पंजीयन प्रमाण पत्र जारी करेंगे। योजना के क्रियान्वयन के लिए पटवारियों और ग्राम पंचायत सचिवों को प्रशिक्षण भी दिया गया है। मुख्यमंत्री ने 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले मुख्यमंत्री सेवा संकल्प अभियान की तिथिवार कार्ययोजना दो दिवस में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। अभियान के दौरान विकसित भारत और विकसित मध्यप्रदेश का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के साथ युवाओं की भागीदारी वाली 13 गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

धारदार हथियार से हत्या करने का युवक ने किया प्रयास, घायल हुआ बाइक चालक

5 दिन बीत जाने के बाद भी पीड़ित को नहीं मिला न्याय पीड़ित पहुंचा एसपी ऑफिस

अमन लेखनी समाचार

एसपी ऑफिस पहुंचा पीड़ित का पिता तथा घायल पुत्र दीपक

फतेहपुर, जनपद के बकेवर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव शकूराबाद के समीप हुई विगत 6 सितंबर की घटना पर पुलिस प्रशासन का ढीला रवैया देख पीड़ित के पिता ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर जिले के मुखिया से न्याय की गुहार लगाई मिली जानकारी के अनुसार विगत 6 सितंबर को एक बाइक लेकर जहानाबाद थाना क्षेत्र के कापिल गांव निवासी दीपक पुत्र कामता प्रसाद तथा पीछे बाइक में बैठा राजू पुत्र छेदू निवासी कापिल थाना जहानाबाद जा रहे थे राजू नशे का आदी था जहां स्वयं शराब पी तथा जबरन बाइक चालक दीपक से और पैसे की मांग करने लगा यह सुनकर दीपक ने अपनी गाड़ी बढ़ा दी और पैसे नहीं दिए जिससे खुन्नस खाकर बीच रास्ते में पहले से धारदार हथियार छुपाऐ राजू पुत्र छेदू ने दीपक के गले में वार कर दिया दीपक वहीं घायल होकर गिर गया तथा राजू फरार हो गया वहीं प्रथम दृष्टया थाना बकेवर पुलिस प्रशासन ने आनन-फानन घायल दीपक को नजदीकी अस्पताल में उपचार कराते हुए फतेहपुर सदर अस्पताल के लिए भेजा जहां चिकित्सकों ने हालत ज्यादा चिंताजनक देखते हुए घायल को कानपुर हैलट के लिए प्राथमिक उपचार के पश्चात रेफर कर दिया वहीं हैलट अस्पताल का घायल का उपचार चल रहा है हुई घटना की सूचना सर्वप्रथम पुलिस प्रशासन को थी जहां पुलिस प्रशासन ने घायल के परिजनों को सूचित किया थाने पहुंचे पीड़ित पिता कामता प्रसाद ने आरोपी के खिलाफ लिखित प्रार्थना पत्र देते हुए न्याय की गुहार लगाई वही लिखित प्रार्थना पत्र स्वीकृत करते हुए थाना प्रभारी ने आरोपी के खिलाफ 173बीएनएस की धारा 109 (1) के तहत मुकदमा दर्ज किया थाने के उपनिरीक्षक ने जांचप्रारंभ की परंतु 5 दिन बीत जाने के बाद भी अभियुक्त पुलिस प्रशासन के चंगुल से बाहर बेधड़क खुलेआम घूम रहा है वही अभियुक्त की मां द्वारा पीड़ित को पुनः दी गई धमकी के बाद पीड़ित का पिता कामता प्रसाद पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा जहां न्याय की गुहार लगाई वहीं जनपद के पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने जल्द ही निराकरण करते हुए अभियुक्त की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया

हिन्दुओं को विकास की ओर ले जाना- राजेश जी

विश्व हिन्दू परिषद की स्थापना दिवस सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई)। ब्लॉक सभागार में गुरुवार की दोपहर विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर नगर इकाई द्वारा गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि क्षेत्र धर्म प्रचार प्रमुख राजेश जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक रामेश्वर दयाल गुप्ता ने की। प्रसार प्रमुख राजेश जी ने बताया विश्व हिंदू परिषद की स्थापना 29 अगस्त 1964 को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के शुभपर्व पर भारत की संत शक्ति के आशीर्वाद के साथ हुई थी। विहिप का उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करना, हिंदू धर्म की रक्षा करना, और समाज की सेवा करना है। भारत के लाखों गांवों और कस्बों में विहिप को एक मजबूत, प्रभावी, स्थायी, और लगातार बढ़ते हुवे संगठन के रूप में देखा जा रहा है। दुनिया भर में हिंदू गतिविधियों में वृद्धि के साथ, एक मजबूत और आत्मविश्वासी हिंदू संगठन धीरे-धीरे आकार ले रहा है। स्वास्थ्य-शिक्षा, आत्म सशक्तिकरण, आदि के क्षेत्रो में 4277 से अधिक सेवा परियोजनाओं के माध्यम से विहिप हिंदू समाज की जड़ो को मजबूत कर रहा है। विश्व हिन्दू परिषद की मूल प्रकृति सेवा है। कार्यक्रम में विहिप नगर अध्यक्ष रवीन्द्र शुक्ला एवं मातृशक्ति से विश्व हिन्दू परिषद् कलमेश साध्वी, माँ कात्यायनी शक्तिपीठ के पीठाधीश्वर स्वामी आत्मानन्द गिरी महाराज सहित बड़ी संख्या में हिंदू जनमानस एवं मातृशक्ति उपस्थित रही। कार्यक्रम की व्यवस्था में अमन, गोविन्द, श्यामसिंह राठौर, कुँवरपाल, आयुष, नगर संयोजक शिवम सहित अनेक कार्यकताओं का विशेष सहयोग रहा।

अवैध हथियारों का बड़ा खुलासा,5 पिस्टल और 10 मैगजीन के साथ 3 गिरफ्तार...

अमन लेखनी समाचार

हरदोई में पुलिस ने अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एफसीआई गोदाम के पीछे घेराबंदी कर पांच देशी .32 बोर पिस्टल, कुल 10 मैगजीन और 900 रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में बिजनौर के चांदपुर थाना क्षेत्र के हातमपुर शेख निवासी रवि कुमार, पिहानी के मोहसिनपुरवा निवासी मो. रियासत और टड़ियावां के गढ़ी निवासी मोबीन शामिल हैं।पुलिस ने तीनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। अपर पुलिस अधीक्षक आलोक राज नारायण ने बताया कि मुख्य आरोपी रवि कुमार मध्य प्रदेश से करीब 14 से 15 हजार रुपये में पिस्टल खरीदकर उन्हें हरदोई और आसपास के क्षेत्रों में करीब 28 से 30 हजार रुपये या तय सौदे के हिसाब से बेचता था। पुलिस के मुताबिक हथियारों की सप्लाई का स्रोत मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले के जंगलों में संचालित होने वाली अवैध फैक्ट्री होने की आशंका है। रवि और मोबीन की पहचान हिमाचल प्रदेश की एक दवा फैक्ट्री में काम करने के दौरान हुई थी। मो. रियासत के कहने पर मोबीन ने रवि से पिस्टल उपलब्ध कराने के लिए संपर्क किया था। रवि हथियार बेचने के लिए हरदोई आया था, तभी मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने तीनों को पकड़ लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अवैध हथियारों को सस्ते दामों में खरीदकर मुनाफे के लिए आगे बेचते थे। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि हरदोई में अब तक इन हथियारों को किन-किन लोगों ने खरीदा है और उनका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था। एएसपी के मुताबिक फिलहाल आरोपियों से पूछताछ में इनके सीधे किसी अपराध में इस्तेमाल की जानकारी नहीं मिली है। आशंका है कि हथियार आगे सप्लाई करने या मुनाफा कमाने के लिए खरीदे-बेचे जा रहे थे। गिरफ्तार मुख्य आरोपी रवि कुमार पर पहले से 10 मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें दिल्ली के लोधी कॉलोनी स्पेशल सेल में आर्म्स एक्ट के दो मामले भी शामिल हैं। इसके अलावा बिजनौर में भी उसके खिलाफ कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब पूरे नेटवर्क और हथियारों के खरीदारों का पता लगाने में जुटी है।

कूटरचना और गबन के आरोप में इश्तियाक खान न्यायिक अभिरक्षा में

महाराष्ट्र के मुंबई से पकड़ा गया आरोपी ओबरा थाने में दर्ज है अपराध संख्या 153/2025।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। सिविल जज सीनियर डिवीजन (एफटीसी), सोनभद्र की अदालत ने कूटरचना, फर्जी दस्तावेज के इस्तेमाल, छल एवं गबन समेत विभिन्न गंभीर धाराओं में दर्ज मुकदमे के आरोपी इश्तियाक खान को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने का आदेश दिया है। आरोपी के विरुद्ध थाना ओबरा में अपराध संख्या 153/2025 के तहत बीएनएस की धाराओं 316(2), 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2), 352 और 351(2) में मुकदमा दर्ज है। न्यायालय में 10 सितंबर 2026 को विवेचक द्वारा आरोपी इश्तियाक खान को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में लिए जाने के लिए प्रस्तुत किया गया। इस दौरान मुकदमे के वादी तथा आरोपी के अधिवक्ता भी न्यायालय के समक्ष उपस्थित रहे।रिमांड के बिंदु पर सहायक अभियोजन अधिकारी ने न्यायालय के समक्ष पक्ष रखते हुए कहा कि आरोपी गंभीर एवं अजमानतीय अपराध में नामजद है। आरोप लगाया गया कि आरोपी विवेचना में सहयोग नहीं कर रहा था और उसके भागने की आशंका थी। अभियोजन की ओर से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजे जाने का अनुरोध किया गया। वहीं आरोपी के अधिवक्ता ने रिमांड का विरोध करते हुए लिखित आपत्ति दाखिल की। बचाव पक्ष की ओर से कहा गया कि आरोपी ने मामले में कोई लाभ प्राप्त नहीं किया है और उसे गलत तरीके से मुकदमे में फंसाया गया है। अधिवक्ता ने यह भी बताया कि संबंधित प्रकरण में पूर्व में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा मेडिएशन के लिए निर्देशित किया गया था, लेकिन मेडिएशन सफल नहीं हो सका। बचाव पक्ष ने आरोपी की गिरफ्तारी को भी गलत बताते हुए रिमांड प्रार्थना पत्र निरस्त करने की मांग की। न्यायालय ने पत्रावली और केस डायरी का अवलोकन करने के बाद पाया कि वादी मुकदमा सुधीर कुमार श्रीवास्तव की ओर से धारा 173 इठरर के तहत प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को न्यायालय द्वारा स्वीकार किए जाने के बाद थाना ओबरा में 12 जुलाई 2025 को एफआईआर संख्या 153/2025 दर्ज की गई थी। केस डायरी के अनुसार वादी की पत्नी रिंकी श्रीवास्तव के पक्ष में बिल्ली मारकुंडी, सोनभद्र से संबंधित 10 वर्षीय पट्टा स्वीकार एवं पंजीकृत हुआ था। न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत केस डायरी में यह आरोप सामने आया कि इश्तियाक खान वादी के पूर्व परिचित थे और खनन संबंधी औपचारिक कार्यवाही के लिए उनके कहने पर उनके परिचित सुजीत कन्नौजिया को कर्मचारी के रूप में रखा गया था।

बीडीओ व प्रभारी चिकित्साधिकारी ने बढ़ते गर्रा नदी के जलस्तर के चलते किया गांव क्षेत्र का भ्रमण

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद, (हरदोई)। गर्रा नदी का जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर प्रशासन ने ग्रामीण क्षेत्रों में निगरानी तेज कर दी है। इसी क्रम में बीडीओ शाहाबाद एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार दीक्षित ने क्षेत्र के अतर्जी, सिंगुलापुर और मांझा गांवों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से बातचीत की और नदी के बढ़ते जलस्तर तथा उससे उत्पन्न संभावित समस्याओं की जानकारी ली। ग्रामीणों को किसी भी आपात स्थिति में घबराने के बजाय प्रशासन को तत्काल सूचना देने के लिए कहा गया। भ्रमण के दौरान स्वास्थ्य विभाग की ओर से ग्रामीणों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जानकारी ली गई तथा आवश्यक दवाओं का वितरण किया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल और स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर भी जागरूक किया। गर्रा नदी का जलस्तर बढ़ता देखकर अधिकारियों का गांवों में पहुंचना ग्रामीणों के बीच चर्चा का विषय रहा। प्रशासन द्वारा संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए गांवों की स्थिति पर लगातार नजर रखने की बात कही गई है। अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की कि नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए बच्चों और पशुओं को नदी के किनारे न जाने दें तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल सूचना दें।

रोडवेज बस से टकराया ऑटो, दो की मौत, पांच घायल

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। शहर कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार सुबह बिलग्राम मार्ग पर जीडी गोयनका स्कूल के पास रोडवेज बस और ऑटो की भिड़ंत हो गई। हादसे में ऑटो सवार 07 लोग घायल हो गए। जिनमें दो लोगों को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। टक्कर के बाद ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बताया गया कि शुक्रवार सुबह करीब साढ़े दस बजे रोडवेज बस कानपुर की ओर से हरदोई आ रही थी। वहीं, सवारियों से भरा ऑटो हरदोई से बिलग्राम की तरफ जा रहा था। जीडी गोयनका स्कूल के पास दोनों वाहनों की टक्कर हो गई। हादसे में ऑटो का दाहिना हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों और राहगीरों ने ऑटो में फंसे घायलों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची शहर कोतवाली पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज भेजा, जहां उनका उपचार शुरू किया गया। चिकित्सकों द्वारा दिनेश पुत्र रामसनेही निवासी तेरिया थाना सांडी व लाल पुत्र कमलेश निवासी जरौली शेरपुर थाना बिलग्राम को मृत घोषित कर दिया गया तथा शेष 05 घायलों का उपचार जिला चिकित्सालय हरदोई में चल रहा है। स्थानीय पुलिस द्वार दोनों शवों को कब्जे में लेकर नियमानुसार पंचायतनामा की कार्यवाही पूर्ण कर पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी भेजा जा रहा है। हादसे के चलते बिलग्राम मार्ग पर कुछ देर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर आवागमन सुचारु कराया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

दवा लेने निकले थे सास-दामाद, रास्ता भटका तो मौत ने घेरा, ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में दोनों की मौत...

अमन लेखनी समाचार

हरदोई में दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र के शाहबादपुर गांव के पास हरदोई-सीतापुर मार्ग पर ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार सास-दामाद को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सांडी थाना क्षेत्र के नोनखारा निवासी गुड्डी (45) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हरपालपुर थाना क्षेत्र के शेखपुर निवासी सुरजीत (25) ने मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया। हादसा इतना भीषण था कि सुरजीत का एक हाथ कटकर करीब 30 मीटर दूर जा गिरा। सुरजीत दिल्ली में प्राइवेट फैक्ट्री में काम करते थे और उनकी सास गुड्डी भी दिल्ली में काम करती थीं।

विदा होती जाती हैं बेटियां, जैसे विदा हो जाती है आंगन की धूप

अमन लेखनी समाचार

शक्तिनगर, सोनभद्र। साहित्यिक, सामाजिक संस्था सोन संगम के तत्वावधान में, अवधी एवं हिन्दी के सुप्रसिद्ध कवि स्व0 डॉ0 शालिग्राम शर्मा की जयंती के उपलक्ष्य मे विद्युत विहार आवासीय परिसर, शक्तिनगर में 09 सितम्बर, 2026 बुधवार की शाम सम्मान समारोह एवं काव्य संध्या का आयोजन एआरएम, विन्ध्यनगर डिपो नागेन्द्र पाण्डेय के मुख्य आतिथ्य एवं सोनभद्र के लब्धप्रतिष्ठित लोककवि जगदीश पंथी की अध्यक्षता में किया गया, जबकि अवधूत भगवान राम महाविद्यालय, अनपरा के प्राचार्य डॉ0 अजय विक्रम कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रहे। उक्त अवसर पर एनटीपीसी शक्तिनगर के उप महाप्रबन्धक मानव संसाधन-राजभाषा एवं प्रख्यात कवि डॉ0 ओमप्रकाश को हिन्दी भाषा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए संस्था द्वारा सातवें माटी महकी सम्मान, 2026 से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त प्रतिष्ठित सम्मान स्व0 डॉ0 शालिग्राम शर्मा की स्मृति में अनेक वर्षों से दिया जा रहा है। इसके पूर्व हरिहर प्रसाद विश्वकर्मा, जगदीश पंथी, माहिर मिजार्पुरी, अजय चतुवेर्दी कक्का, गोपाल तिवारी एवं शिवशंकर मिश्र सरस उक्त सम्मान से अलंकृत किये जा चुके हैं।

कार्यक्रम का आरम्भ स्व0 डॉ0 शालिग्राम शर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि से हुआ। तत्पश्चात्सतीश सिंह ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की। अतिथियों का स्वागत चन्द्रशेखर जोशी ने किया। डॉ0 शर्मा के पुत्र डॉ0 योगेन्द्र मिश्र ने उनकी प्रतिनिधि रचनाओं का पाठ किया। मुख्य अतिथि नागेन्द्र पाण्डेय एवं अध्यक्षता कर रहे जगदीश पंथी ने संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए डॉ0 ओमप्रकाश को उक्त सम्मान से अलंकृत किये जाने पर शुभकामनाएं दीं। सम्मानित कवि डॉ0 ओमप्रकाश ने अपनी अनेक लोकप्रिय रचनाएं सुनायीं। उनके प्रसिद्ध कविता संग्रह विदा होती बेटियां की शीर्षक कविता विदा होती जाती हैं बेटियां, जैसे विदा हो जाती है आंगन की धूप, चुप हो जाती हैं मन्दिर की घंटियां ने श्रोताओं को भावुक कर दिया। उनकी अन्य कविताओं प्रेम पत्र लिखते हुए, सबसे कठिन है पत्थरदिल होती दुनिया में प्रेम बचाए रखना आदि ने संवेदनाओं के शिखर छुए। अध्यक्षता कर रहे जगदीश पंथी की कविताओं बड़ा नीक लागे ननद तोर गउंवा, प्रेम तुम्हारा मिला कि सावन बरस गया ने माटी की सोंधी गंध बिखेरी। इनके अतिरिक्त माहिर मिजार्पुरी, डॉ0 योगेन्द्र मिश्र, डॉ0 अजय विक्रम, डॉ0 देवेन्द्र श्रीवास्तव, सचिन मिश्र, रमाकान्त पाण्डेय, बहर बनारसी, विजयलक्ष्मी पटेल सहित अनेक कवियों ने अपनी सारगर्भित एवं सशक्त रचनाओं का पाठ किया। कार्यक्रम में खड़ी बोली के अतिरिक्त लोकभाषाओं की कविताओं ने श्रोताओं को देर रात्रि तक बांधे रखा। उक्त अवसर पर सोन संगम के कार्यकारी अध्यक्ष विजय दुबे, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, शक्तिनगर परिसर के प्रभारी डॉ0 प्रदीप यादव, विवेकानन्द वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य अरविन्द मौर्य, केन्द्रीय विद्यालय, शक्तिनगर के उप प्रधानाचार्य मृत्युंजय सिंह, डॉ0 छोटेलाल प्रसाद, मायाराम, डॉ0 योगेन्द्र वीएस तिवारी, राजनाथ दुबे, आदिप सिंह चैहान, सुशील सिंह, उदय नारायण पाण्डेय, करुणा माथुर, रीता पाण्डेय, सौम्या, समिधा, गौतमी सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

प्रभात सिंह चंदेल को सोन साहित्य रत्न व सुशील मिश्रा को मिला सोन संगीत रत्न

- वीर अब्दुल हमीद बलिदान दिवस पर काव्य संध्या का हुआ आयोजन।
- शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी, सोनभद्र की ओर से रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित अधिवक्ता भवन में हुआ कार्यक्रम।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी, सोनभद्र की ओर से वृहस्पतिवार को वीर अब्दुल हमीद बलिदान दिवस के अवसर पर रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित अधिवक्ता भवन में काव्य संध्या का आयोजन किया गया। अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार रामनाथ शिवेन्द्र व मुख्य अतिथि ओमप्रकाश त्रिपाठी राष्ट्र पति पदक प्राप्त शिक्षक ने विधिवत परमवीर चक्र विजेता अब्दुल हमीद के चित्र पर माल्यार्पण कर आयोजन को गति दिया। वाणी वंदना करते हुये दिवाकर दिवेदी मेघ ने मां से अरदास कर जगमग जग की कामना किये। तदुपरांत रामनाथ शिवेन्द्र, ओमप्रकाश त्रिपाठी, राकेश शरण मिश्र, अजय चतुवेर्दी कक्का, दिवाकर दिवेदी मेघ, ईश्वर विरागी, कौशल्या कुमारी चौहान के कर कमलों से शहीद स्थल करारी द्वारा अलंकरण किया गया। जिसमें प्रभात सिंह चंदेल ओज कवि को सोन साहित्य रत्न सम्मान व सुशील मिश्रा सोन संगीत फाउंडेशन को संगीत रत्न सम्मान से विभूषित कर माल्यार्पण, प्रशस्ति पत्र, लेखनी, पुस्तिका, साहित्य कृति, अंग वस्त्र दिया गया और शौर्य दिवस काव्य संध्या का आगाज हुआ।

डीएमएफ के पूर्ण कार्यों के पूर्णता प्रमाण पत्र 7 दिवस में जारी करें

अमन लेखनी समाचार

सिंगरौली ।जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संघप्रिय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में डीएमएफ मद से स्वीकृत एवं संचालित निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न निर्माण एजेंसियों के माध्यम से कराए जा रहे कार्यों की प्रगति, पूर्ण एवं अपूर्ण कार्यों, गुणवत्ता तथा लंबित कार्यों की स्थिति की समीक्षा की गई। सीईओ जिला पंचायत ने निर्देश दिए कि डीएमएफ मद से स्वीकृत सभी अपूर्ण निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। संबंधित अधिकारी और निर्माण एजेंसियां कार्यों की नियमित मॉनीटरिंग करते हुए मौके पर निर्माण की प्रगति का परीक्षण करें तथा जिन कार्यों में विलंब हो रहा है, उन्हें गति देकर निर्धारित समय में पूरा कराएं। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन निर्माण कार्यों का काम पूरा हो चुका है, उनका परीक्षण एवं आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करते हुए कार्य पूर्ण होने के 7 दिवस के भीतर संबंधित निर्माण एजेंसी द्वारा पूर्णता प्रमाण पत्र जारी किया जाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही पूर्ण किए गए प्रत्येक निर्माण कार्य के स्पष्ट एवं अद्यतन फोटोग्राफ डीएमएफ शाखा में अनिवार्य रूप से जमा कराने के निर्देश दिए, ताकि कार्य की भौतिक प्रगति और पूर्णता का अभिलेख संधारित किया जा सके। बैठक में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की नियमित जांच पर भी जोर दिया गया। सीईओ ने कहा कि डीएमएफ मद से स्वीकृत कार्य जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य हैं, इसलिए प्रत्येक कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा होना चाहिए। निर्माण में प्रयुक्त सामग्री, निर्धारित मापदंडों और स्वीकृत कार्ययोजना के अनुरूप कार्य कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक–
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

सिटी स्पोर्ट्स

युद्ध शांत करेगा ब्रिक्स?

अमरीका-ईरान और रूस-यूक्रेन युद्धों के बीच ब्रिक्स देशों का 18वां शिखर सम्मेलन इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है कि वह युद्धों को शांति, स्थिरता में तबदील कर सकता है। ब्रिक्स सम्मेलन 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। भारत इस बार अध्यक्ष एवं मेजबान है। युद्धों ने खाद्य-ऊर्जा संकट पैदा किए हैं, दुनिया भर की सप्लाई चेन बाधित है, विश्व की अर्थव्यवस्थाओं का कबाड़ा हो चुका है, आपसी भू-रणनीतिक समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और युद्धकालीन कानून बेमानी साबित हो रहे हैं और अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप अब भी अनाप-शनाप टैरिफ थोपने और पाबंदियां घोषित करने पर आमादा हैं। ब्रिक्स का मंच इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत, रूस, चीन, ब्राजील इसके संस्थापक सदस्य हैं। बाद में दक्षिण अफ्रीका जुड़ा और अब 11 देश पूर्णकालिक सदस्य हैं और 10 पार्टनर देश हैं। वे विश्व की 28 फीसदी नॉमिनल जीडीपी और 50 फीसदी से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन और भारत सरीखी आर्थिक महाशक्तियां ब्रिक्स की सूत्रधार हैं और रूस की कूटनीतिक, सामरिक, प्रौद्योगिकी संबंधी ताकत दुनिया जानती है। जब प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति पुतिन, राष्ट्रपति शी जिनपिंग आपस में मिलेंगे, तो इससे बड़ी कूटनीतिक खबर क्या हो सकती है? ब्रिक्स देश आपसी सहयोग, व्यापार, स्वास्थ्य-शिक्षा, सैन्य-साइबर सहयोग, ऊर्जा, अंतरिक्ष संबंधी समझौते पारित कर सकते हैं, लेकिन सर्वाधिक महत्वपूर्ण यह है कि पहली बार डिजिटल सेवाओं को साझा करने और उनके कारोबार पर ब्रिक्स देशों के वाणिज्य-व्यापार मंत्रियों में सहमति हुई है। अंतिम मुहर शिखर सम्मेलन में लगाई जाएगी। डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में भारत का स्थान अमरीका, ब्रिटेन, आयरलैंड, जर्मनी के बाद 5वां है। चीन छठे स्थान पर है। ब्रिक्स देशों में डिजिटल सेवा निर्यात में भारत की हिस्सेदारी करीब 48 फीसदी है, जो बेहद महत्वपूर्ण है। इंटरनेट, ऐप, ई-मेल, वीडियो कॉल और डिजिटल मंच के जरिए सेवाएं सभी ब्रिक्स देशों में साझा की जा सकेंगी। 2024 में भारत ने करीब 24 लाख करोड़ रुपए (269 अरब डॉलर) की सेवाएं विश्व को दी हैं। अब ब्रिक्स समझौते के बाद आईटी, कारोबारी सेवाओं के अलावा वित्तीय, बीमा, रिसर्च, परामर्श, इंजीनियरिंग और शिक्षा-स्वास्थ्य सेवाएं भी डिजिटल तरीके से दी जा सकेंगी। नीति आयोग के मुताबिक, 2015-24 के बीच भारत का विदेशों में डिजिटल सेवा कारोबार करीब 3-गुना हो गया है। इनमें सॉफ्टवेयर निर्यात, आईटी और बीपीओ सेवाएं सम्मिलित हैं। लेकिन मौजूदा हालात में युद्ध सबसे संवेदनशील, विनाशक और अनिवार्य मुद्दा है, क्योंकि ईरान भी ब्रिक्स का सदस्य देश है। वहां के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान भी आ रहे हैं। जाहिर है कि उनकी कई स्तरों पर बातचीत होगी! रूस के राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति ट्रंप ने फोन पर करीब एक घंटा बातचीत की है। शुक्रवार, 11 सितंबर, को भारत के प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन में एक बार फिर द्विपक्षीय संवाद होगा। तय है कि युद्ध की बात जरूर होगी, क्योंकि भारत शांति का पक्षधर है। ईरान और यूक्रेन में व्यापक विनाश, विध्वंस हुए हैं और युद्ध अब भी जारी है। राष्ट्रपति ट्रंप को आश्वस्त किया गया है कि ब्रिक्स अमरीका और डॉलर-विरोधी मंच नहीं है। वैकल्पिक मुद्रा तय करने का कोई एजेंडा भी नहीं है। यह क्रेमलिन के प्रवक्ता भी स्पष्ट कर चुके हैं। बेशक रूस और ब्राजील आग्रह करते रहे हैं कि ब्रिक्स देश की अपनी ही मुद्रा (करेंसी) होनी चाहिए, लेकिन वैकल्पिक मुद्रा तय करना और उसे अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाना आसान नहीं है। वैश्विक व्यवस्था का सवाल है।

सांसदों की दिशाओं की दिशा

अपनी निधि की सांसदी करते हिमाचल के दो सांसद अलग-अलग दिशाओं की ह्यदिशाह्न दिखा गए। मंडी की सांसद कंगना रनौत अगर गुस्से का बहता दरिया दिखी, तो कांगड़ा के सांसद डा. राजीव भारद्वाज शांत समुद्र की तरह गहरे तक पैठ बना गए। राजनीति अपनी नई परंपराएं स्थापित करते हुए कई बार नेताओं को अपराजेय दिखाना चाहती है, तो सिस्टम में बैठे मोर नाचते हैं। मंडी में सिस्टम के दो पात्र अपनी-अपनी भुजाएं फडफड़ाते हुए देखे गए, तो कांगड़ा में सामंजस्य के संयम की परिधि देखी गई। ये जनप्रतिनिधियों के मार्फत राष्ट्रीय योजनाओं की वकालत और नवनिर्माण का परिचय है, जो सहज दृष्टि से अवलोकित होना चाहिए। मसले मंडी से उठें या कांगड़ा की तस्वीर में देखे जाएं, सरकारी मशीनरी की आंखें खुली रहनी चाहिएं। संदेश और संवेदना की अभिव्यक्ति में राष्ट्र की सहयोगी मुद्रा आजकल राजनीतिक हो गई है और अगर हम गुण दोष के बीच मयार्दा ढूंढें, तो कतई नहीं मिलेगी, फिर भी राजनीतिक इच्छाशक्ति का तजुर्मा जमीन पर होना चाहिए। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में केंद्र के बजट का स्थानीय अभिलाषा से मिलन हो जाए, तो कम से कम दो पल चैन से सियासत बैठ सकती है, लेकिन इस एहसास को जीना दरअसल कड़वा घूंट पीना है। सांसद निधि के इस्तेमाल की जमीन खोज रहे जनप्रतिनिधियों का राज्य की मशीनरी से टकराव शोभा नहीं देता, इसलिए एक टकराव जनता के नाम हुआ, तो टिप्पणी दायरे में फंसे साहिबों ने अपने दायित्व की वकालत शुरू कर दी। यह अवधारणा बनाना ही गलत है कि योजनाओं के दिशा निदेर्शों का पालन विभिन्न सरकारों के बीच नहीं हो सकता। सरकारी मशीनरी के उपयोग में अगर दोष आ गए हैं, तो इनके लिए राजनीति का चरित्र कहीं ज्यादा जिम्मेदार है। दरअसल जिस जनता के नाम पर व्यवस्था होनी चाहिए, वहां सत्ता के प्रभाव में नाको चने चबाने का रिवाज पैदा हो रहा है, फिर भी कार्य संस्कृति के उत्थान में भाषा, शिष्टाचार और अनुशासन की जरूरत है। बहरहाल हम यह तो नहीं कहेंगे कि दिल्ली का पैसा भाजपाई है और हिमाचल की प्रशासनिक व्यवस्था कांग्रेसी, लेकिन कहीं न कहीं राजनीति में पैदा हो रहे इंजिन दोषी हैं। डबल इंजिन या ट्रिपल इंजिन सरकारों की फरमाइश का असर यह कि केंद्र व राज्यों के बीच वित्तीय संबंधों में रंगभेद शुरू हो गया है। उसूल से आपदा प्रभावित मंडी की स्थिति में सांसद के प्रयास उल्लेखनीय हो सकते हैं और कांगड़ा की आर्थिक प्रगति में स्थानीय सांसद की सेवाएं प्रभावी हो सकती हैं। राजनीतिक द्वेष अगर फकीरी बन जाएं, तो केंद्र बनाम राज्यों की चक्की पर मसले यूं ही पीसे जाएंगे। मसलन प्रधानमंत्री ने एक बार हिमाचल के दर्द को समझते हुए पंद्रह सौ करोड़ की त्वरित आपदा राहत की घोषणा की, लेकिन इस राहत की सुबह नहीं हुई।

गंभीर चिंता का कारण बनती जा रही है 'सीवीडी' की समस्या

'सीवीडी' के चपेट में आ रहे शहरी इलाके में लोग, दिल से जुड़ी यह बीमारी तेजी से बढ़ रही हर उम्र के लोगों में

साल 2025 में अध्ययनों के विश्लेषण में वैज्ञानिकों की टीम ने पाया कि भारतीय आबादी सीवीडी का शिकार होती जा रही है। शहरी भारत में लगभग 12% वयस्क कोरोनरी आर्टरी डिजीज से प्रभावित हैं, इसके कारण हर साल सात लाख से अधिक लोगों की मौत भी हो रही है।

वैश्विक स्तर पर जिन बीमारियों के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर हर साल अतिरिक्त दबाव बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है, कार्डियोवैस्कुलर डिजीज उनमें से प्रमुख है। भारतीय आबादी में भी इस रोग का खतरा तेजी से बढ़ता देखा जा रहा है, जो गंभीर चिंता का कारण बनती जा रही है।

कार्डियोवैस्कुलर डिजीज (सीवीडी) हृदय और रक्त वाहिकाओं को प्रभावित करने वाली बीमारियों का समूह है। सीवीडी कई प्रकार की स्वास्थ्य स्थितियों जैसे कि कोरोनरी आर्टरी डिजीज, स्ट्रोक, हार्ट फेलियर और धड़कनों से संबंधित समस्याओं का कारण बनती है जिसके कारण जान जाने का खतरा अधिक रहता है।

साल 2025 में अध्ययनों के विश्लेषण में वैज्ञानिकों की टीम ने पाया कि भारतीय आबादी सीवीडी का शिकार होती जा रही है। शहरी भारत में लगभग 12%

वयस्क कोरोनरी आर्टरी डिजीज से प्रभावित हैं, इसके कारण हर साल सात लाख से अधिक लोगों की मौत भी हो रही है। मरने वालों में 20 साल की उम्र से लेकर 80 साल तक के लोग शामिल हैं। आइए जानते हैं कि इसका खतरा क्यों बढ़ता जा रहा है और सीवीडी से बचे रहने के लिए पहले से क्या प्रयास किए जा सकते हैं?

कार्डियोवैस्कुलर डिजीज और इसका जोखिम

अध्ययन की रिपोर्ट में स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम ने बताया कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण और बदलती जीवनशैली ने सीवीडी को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का विषय बना दिया है। इसको लेकर लोगों को जागरूक करने की तत्काल आवश्यकता है। भारत में होने वाली लगभग 28% मौतों के लिए हृदय रोग जिम्मेदार हैं, जिससे ये देश में मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण बन गए हैं। पिछले कुछ दशकों में भारत में सीवीडी और इसके कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं में तेजी से वृद्धि देखी गई है।

सीवीडी से संबंधित मौतों में वृद्धि चिंताजनक

ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सीवीडी से संबंधित मौतों की संख्या 1990 में 2.26 मिलियन (22.6 लाख) से बढ़कर साल 2020 में 4.77 मिलियन (47.7 लाख) हो गई। यह वृद्धि न केवल जनसंख्या वृद्धि के कारण है, बल्कि रोग पैटर्न में बदलाव को भी दर्शाती है।

भारत की शहरी और ग्रामीण आबादी, दोनों ही अलग-अलग तरीकों से इससे प्रभावित हैं। शहरी क्षेत्रों में हृदय रोग (सीवीडी) का प्रसार लगभग 14% होने का अनुमान है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह लगभग 8% है, जो पिछले दशकों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है। यह वृद्धि शहरों से परे दूरदराज के क्षेत्रों में सीवीडी जोखिम कारकों के प्रसार को उजागर करती है।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

दिल्ली स्थित एक अस्पताल में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ रवि प्रकाश बताते हैं, सीवीडी के कारण हृदय और रक्त वाहिकाओं पर सबसे ज्यादा असर होता है। उच्च रक्तचाप, अस्वास्थ्यकर आहार, हाई कोलेस्ट्रॉल-मधुमेह, वायु प्रदूषण, मोटापा, तंबाकू का सेवन, किडनी की बीमारी, शारीरिक निष्क्रियता और तनाव शामिल हैं। पारिवारिक इतिहास, जातीय पृष्ठभूमि, लिंग और आयु भी किसी व्यक्ति के हृदय स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है।

इस खतरे से बचने के लिए क्या करें?

इस प्रकार के स्वास्थ्य जोखिमों को कम करने के लिए जीवनशैली में बदलाव और जोखिम कारकों के प्रबंधन पर कम उम्र से ही ध्यान देते रहना जरूरी है। हृदय रोग (सीवीडी) को काफी हद तक रोका जा सकता है।

नमी भरे मौसम में संक्रामक बीमारियों को लेकर रहें सचेत

जुलाई से अक्तूबर के महीने में मच्छर जनित रोगों के मामले बढ़ जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं मच्छर जनित रोगों से बचाव के लिए सभी लोगों को निरंतर कुछ उपाय करते रहना चाहिए। मानसून का ये मौसम कई प्रकार की बीमारियों का खतरा बढ़ा देता है। मई-जून की भीषण गर्मी के बाद बारिश का ये समय सुकून देने वाला जरूर होता है पर ये अपने साथ कई प्रकार की बीमारियां भी लेकर आता है। बारिश के दिनों में जलजमाव बढ़ जाता है जो मच्छरों के प्रजनन को बढ़ावा देने में मदद करता है। इससे डेंगू और मलेरिया जैसे रोगों का खतरा बढ़ जाता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और आईसीएमआर जैसे संस्थानों की रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत में हर साल लाखों लोग इन बीमारियों की चपेट में आते हैं। मगर अच्छी बात ये है कि थोड़ी सी जागरूकता और बचाव के उपाय अपनाकर हम इन बीमारियों को खुद से और अपनों से दूर रख सकते हैं।

मच्छर जनित रोगों का खतरा

साल 2025 के डब्ल्यूएचओ रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में हर साल 25 करोड़ से ज्यादा लोग मलेरिया से ग्रस्त होते हैं, जिनमें से 6 लाख से अधिक की मौत हो जाती है। डेंगू के मामले भारत में पिछले 5 वर्षों में दोगुने हो गए हैं।आईसीएमआर रिपोर्ट बताती है कि बारिश के बाद रुका हुआ पानी मच्छरों की सबसे उपयुक्त प्रजनन भूमि बनता है, जिससे संक्रमण तेजी से फैलता है। जुलाई से अक्तूबर के महीने में दिल्ली-एनसीआर में मच्छर जनित रोगों के मामले बढ़ जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं मच्छर जनित रोगों से बचाव के लिए सभी लोगों को निरंतर कुछ उपाय करते रहना चाहिए।

मच्छरों और इसके कारण होने वाले रोग से करें बचाव

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, स्थिर और साफ पानी डेंगू मच्छरों के प्रजनन के लिए सबसे उपयुक्त होता है। इसके अलावा प्लास्टिक के कंटेनर, एयर कूलर, फूलों के गमले, टायर और खाली पड़े किसी भी सामान जहां पानी जमा हो सकता है उनमें मच्छर पनप सकते हैं। मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए कूलर-गमलों का पानी बदलते रहें। घरों के आसपास कहीं पानी जमा न होने दें। मच्छरों को भगाने के लिए दवाओं का छिड़काव कराएं। इसके अलावा मच्छर जनित बीमारियों से बचे रहने के लिए कुछ उपाय किए जा सकते हैं।

घरों के भीतर भी करें मच्छर से बचाव

घरों के भीतर भी मच्छरों के काटने से बचने के लिए उपाय करना जरूरी है। इसके लिए मच्छर मारने वाले क्वाइल्स, स्प्रे आदि का सावधानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि इनके इस्तेमाल के कुछ देर बाद तक कमरे में जाने से बचें। रात में सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करना सबसे अच्छा तरीका माना जाता है।

खुशहाली के लिए अपनाएं फेंगशुई के उपाय

फेंगशुई वास्तु शास्त्र में चीनी सिक्कों का विशेष महत्व होता है। फेंगशुई सिक्के सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि को दर्शाते हैं। घर से नकारात्मकता को दूर करने के लिए घर के मुख्य दरवाजे और खिड़कियों पर सिक्कों लटकाया जाता है।

फेंगशुई घंटी

फेंगशुई वास्तु शास्त्र में घरों में लटकती हुई घंटियों का विशेष महत्व होता है। घर के दरवाजे और खिड़कियों में फेंगशुई घंटी को टांगने पर वातावरण बहुत ही सकारात्मक और खुशनुमा होता है। समय-समय पर जब भी घंटियों की आवाज आती है तो घर का माहौल बहुत ही सकारात्मक हो जाता है और घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है।

फेंगशुई सिक्का

फेंगशुई वास्तु शास्त्र में चीनी सिक्कों का विशेष महत्व होता है। फेंगशुई सिक्के सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि को दर्शाते हैं। घर से नकारात्मकता को दूर करने के लिए घर के मुख्य दरवाजे और खिड़कियों पर सिक्कों लटकाया जाता है। इससे घर से दरिद्रता दूर होती है। करियर-कारोबार में सफलता प्राप्त करने के लिए फेंगशुई के सिक्के को त्रिकोण में बांधकर रखना अच्छा होता है।

डॉल्फिन मछली

मछली को शुभ और पवित्र माना जाता है। फेंगशुई में डॉल्फिन मछली को धन, खुशहाली और सुख-शांति का प्रतीक माना गया है। नौकरी, व्यापार में तरक्की और दांपत्य जीवन में सुख के लिए डॉल्फिन मछलियों का जोड़ा

रखना बहुत शुभ माना गया है। मछली के जोड़ों को घर के नार्थ-ईस्ट में ड्राइंग रूम या लिविंगरूम में रख सकते हैं।

ड्रैगन मछली

घर से नकारात्मकता को दूर करने के लिए फेंगशुई में ड्रैगन मछली को बहुत महत्व दिया जाता है। ऐसी मान्यता है कि सुनहरी ड्रैगन मछली घर की आर्थिक संपन्नता को बढ़ाने में मदद करती है।

एक तरफ जहां वास्तु में कुछआ को बहुत ही शुभ माना जाता है उसकी प्रकार फेंगशुई में इसका विशेष महत्व होता है। घर पर कछुए को रखने से जीवन में सुख और समृद्धि आती है। घर पर कछुआ रखने से तमाम तरह की बीमारियों और छिपे हुए दुश्मनों पर जीत मिलती है।

माथे की बनावट बताती है आपका व्यक्तित्व

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार किसी व्यक्ति के शरीर की बनावट से उसके स्वभाव और व्यक्तित्व के कई पहलुओं के बारे में विषेश जानकारी देती है। आज हम जानेंगे कि किसी व्यक्ति के माथे को देखकर उसके व्यक्तित्व के कौन-कौन से गुण पहचाने जा सकते हैं।

सामुद्रिक शास्त्र में इस बात का वर्णन है कि किसी व्यक्ति के शरीर की बनावट से उसके स्वभाव और व्यक्तित्व के कई पहलुओं के बारे में विषेश जानकारी देती है। चेहरे की बनावट, हाथ की उंगलियां, माथे और पैरों के तलवे, ये सब व्यक्ति के भविष्य और स्वभाव के बारे में संकेत देते हैं। आज हम जानेंगे कि किसी व्यक्ति के माथे को देखकर उसके व्यक्तित्व के कौन-कौन से गुण पहचाने जा सकते हैं।

चौड़ा माथा

जिन लोगों का माथा चौड़ा होता है, वे स्वभाव से गंभीर, बुद्धिमान और योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने वाले होते हैं। ऐसे लोग अक्सर जीवन में उच्च पद प्राप्त करते हैं। उनमें नेतृत्व की क्षमता होती है और वे महत्वाकांक्षी होते हैं। ये लोग शांत और दूरदर्शी होते हैं।

संकीर्ण माथा

अगर किसी व्यक्ति का माथा छोटा या संकीर्ण हो, तो वह जल्दी प्रतिक्रिया देने वाला होता है और भावनात्मक रूप से संवेदनशील भी। ऐसे लोगों को जीवन में संघर्षों का सामना करना पड़ सकता है और उन्हें सफलता पाने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है। उनकी सोच सीमित हो सकती है और कई बार वे जल्दबाजी में निर्णय लेते हैं।

आगे झुका हुआ माथा

जिन लोगों का माथा थोड़ा उभरा या आगे की ओर झुका होता है, वे आमतौर पर धार्मिक प्रवृत्ति के होते हैं। ऐसे व्यक्ति पूजा-पाठ में रुचि रखने वाले और आत्मविश्वासी होते हैं।

कार्नर न्यूज

योग आपको रखता है निरोग, जरूर अपनाएं

खूशबू से भरपूर अरोमा योग अपनाने के कई फायदे, तंदरुस्ती के साथ मन भी रहेगा प्रसन्न

योग हमारे सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। यूं कहें कि रोग आपको निरोग रख सकता है। ये ना सिर्फ शरीर की मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है बल्कि हमारे मन मस्तिष्क को भी शांत रखने में मदद करता है। कुल मिलाकर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग काफी जरूरी है।

योग के अपने-अपने प्रकार हैं। कुछ से आप वाकिफ होंगे तो कुछ के बारे में जानकारी नहीं होगी। आज हम आपको योग के एक ऐसे फॉर्म के बारे में जानकारी दे रहे हैं जिसके बारे में शायद ही लोगों को मालूमात होगी। बात है अरोमा योग की। एक्सपर्ट इसके कई फायदे बताते हैं। इस बारे में पीएसआरआई अस्पताल के कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट परमजीत सिंह जानकारी दे रहे हैं।

क्या होता है अरोमा योग

अरोमा का साफ मतलब खुशबू होता है,यानी खुशबू या सुगंध के साथ योग करना। ये दो विधियों का संगम है। योग के वक्त अरोमा ऑयल्स या किसी तरह की खुशबू, किसी सुगंधित पौधे के रसों का इस्तेमाल किया जाता है जिससे आपके मानसिक स्थिति को सुधारने में

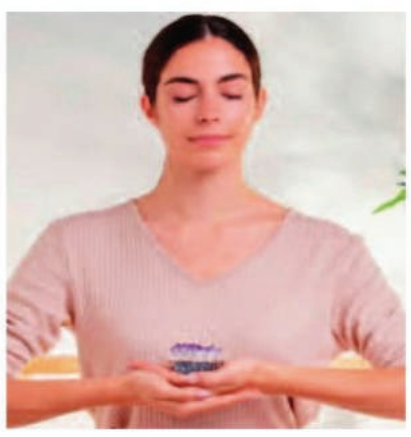

मदद मिलती है। ये इस योग में लैवेंडर, कैमोमाइल, यूकलिप्टस, रोज, या जो भी सुगंधित तेल, खुशबू आपको पसंद है उसका इस्तेमाल किया जा सकता है। आइए जान लेते हैं इस योग को करने का तरीका क्या है और इससे क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

कैसे करें अरोमा योग ?

सबसे पहले योग करने के लिए शांत, ठंडी और सुरक्षित जगह का चुनाव करें। यहां आप मैट बिछाकर वज्रासन में बैठ जाएं। अब आप अपना पसंदीदा अरोमा तेल चुने,जैसे लैवेंडर, कैमोमाइल, यूकलिप्टस आप अरोमा तेल को डिफ्यूजर में डाल कर अपने पास रख सकते हैं या फिर तेल की कुछ बूंदें अपने हाथों में लगाएं। अगर आपके पास तेल नहीं है तो खुशबू वाली मोमबत्ती का इस्तेमाल करें। अब प्राणायाम करें। बैठें और गहरी सांस लेने की कोशिश करें। अब सुगंध के साथ खुद को एक स्थिति में लाने का प्रयास करें। ध्यान के बाद धीरे-धीरे अपनी आंखों को आराम से खोलें। आपको शांति और खुशी (इन तरीकों से लाइफ में ला सकते हैं खुशियां) का एहसास होगा।

अरोमा योग के फायदे जानिए ?

अगर आपको मन बेचैन रहता है तो आप इस अभ्यास से अपने मन को एक स्थिर और शांत स्थिति में ले जा सकते हैं जिससे मानसिक (मेंटल

हेल्थ को इस ट्रिक से करें मजबूत) चिंता और तनाव कम हो सकता है। इस योग से आपको नींद की समस्या दूर करने में मदद मिल सकती है। ये आपको अच्छी नींद प्राप्त करने में मदद कर सकता है। अरोमा योग करने से अपनी भावनाओं पर आप नियंत्रण रख सकते हैं और अपनी आत्मा के साथ जुड़ सकते हैं। अरोमा योग करने से पॉजिटिव एनर्जी का संचार होता है और आप खुशी महसूस कर सकते हैं। इससे ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है। काम में फोकस बढ़ता है।

अरोमा योग में उपयोग होने वाले आवश्यक तेलों की सुगंध, शारीरिक और मानसिक विश्राम को बढ़ावा देती है, जिससे तनाव कम होता है। अरोमा योग अनिद्रा की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए फायदेमंद है, क्योंकि यह नींद की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करता है। कुछ आवश्यक तेलों की सुगंध, जैसे कि नीलगिरी और पुदीना, श्वसन तंत्र को शांत करने और सांस लेने में आसानी प्रदान करने में मदद करती है।अरोमा योग नर्वस सिस्टम को उत्तेजित करता है, जिससे शरीर में ऊर्जा का संचार होता है और थकान दूर होती है। अरोमा योग, सिरदर्द और माइग्रेन के दर्द से राहत दिलाने में भी सहायक है। अरोमा योग, एकाग्रता और ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है।